दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 31 जनवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 42 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

महोबा में जलशक्ति मंत्री का काफिला रोका विधायक से हुई तीखी नोकझोंक

महोबा। जिले में सड़कों की बदहाली से नाराज विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला बीच सड़क पर रोककर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों और भाजपा कार्यकताओं के बीच तीखी झड़प हुई, जिससे कलेक्ट्रेट मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

महोबा जिले में एक दिवसीय महोबा भ्रमण पर आए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का युवा उद्घोष कार्यक्रम से लौटते समय भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत और उनके समर्थकों ने काफिला रोक लिया। इस दौरान विधायक व उनके समर्थकों ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों की बदहाली बताई। विरोध के दौरान कार्यकताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी झड़प हुई।

बताया जा रहा है कि शहर के रामश्री महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद मंत्री का काफिला लौट रहा था। तभी कलक्ट्रेट मार्ग पर बड़ी संख्या में भाजपा विधायक व समर्थकों ने काफिला रोका। सीओ सदर अरुण कुमार सिंह और एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने मामले को नियंत्रण में किया। रास्ते से गाड़ी हटवाने के लिए स्वतंत्रदेव को खुद नीचे उतरकर आना पड़ा।

मंत्री ने विधायक से कहा- सड़कें खुदी मिली, तो अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा : काफिला रोकने के बाद चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव के बीच बातचीत हुई। मंत्री ने कहा कि जहां कोई शिकायत है, वहां मुझे लेकर चलो। उस गांव में मैं खुद चलता हूं। 40 गांवों में कहोगे तो मैं सभी जगह चेक करने चलूंगा, मेरे साथ अफसर हैं। सभी जगह देखूंगा,

शेष, पृष्ठ 2

फर्जी डॉक्टर बनकर मेडिकल कंपनियों से करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच व घंटाघर कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, चार आरोपी दबोचे

गाजियाबाद , करंट क्राइम। गाजियाबाद में फर्जी डॉक्टर बनकर मेडिकल फामेर्सी कंपनियों से लाखों-करोड़ों रुपये की दवाइयों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और घंटाघर कोतवाली पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो हरियाणा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में महंगी दवाइयां, मोबाइल फोन, फर्जी सिम कार्ड, फर्जी चेक और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। यह गिरोह जिला अस्पताल के ठीक सामने फर्जी डॉक्टर और फर्जी मेडिकल फर्म बनाकर लंबे समय से धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश तनेजा, अमित खुराना, दीपक सिंह चौक और मुकेश के नाम शामिल हैं।

फर्जी चेक देकर उठाते थे दवाइयां

करंट क्राइम : एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि आरोपी खुद को अलग-अलग अस्पतालों का डॉक्टर बताकर मेडिकल कंपनियों से संपर्क करते थे। इसके बाद फर्जी मेडिकल फर्म के नाम से फर्जी चेक देकर लाखों रुपये की दवाइयां ले लेते थे और भुगतान नहीं करते थे। शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने जब जांच शुरू की तो पूरे नेटवर्क का पदार्फाश हुआ। वहीं क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर अनिल राजपूत ने बताया कि दीपक उर्फ मिद्दू, निवासी रोहतक (हरियाणा), इस गिरोह को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराता था। दीपक और साहिल नाम का एक अन्य आरोपी फिलहाल फरार है, जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह भोपाल, जयपुर, सूरत, अहमदाबाद, गुरुग्राम, पानीपत, अंबाला, चंडीगढ़, नोएडा और दिल्ली-एनसीआर सहित कई शहरों में सिविल व जिला अस्पतालों के फर्जी डॉक्टर बनकर मेडिकल कंपनियों को चूना लगा चुका है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 36 अलग-अलग नामी दवा कंपनियों की महंगी दवाइयों के डिब्बे बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, दवा सप्लाई चैन और साइबर एंगल की भी जांच कर रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

भव्य रामकथा में पहुंचे शहर के गणमान्य लोग

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कविनगर रामलीला मैदान में चल रही भव्य श्रीराम कथा के छठे दिन गणमान्य लोग पहुंचे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। गौरतलब है कि कविनगर रामलीला मैदान में मंगलमय परिवार द्वारा भव्य रामकथा का आयोजन कराया जा रहा है। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बलदेवराज शर्मा, महंत नाराण गिरी, दैनिक करंट क्राइम के सम्पादक मनोज गुप्ता तथा समाचार सम्पादक दीपक भाटी कथा महोत्सव स्थल पर पहुंचे।

लूट और स्नेचिंग में आई गिरावट, लेकिन साइबर क्राइम बना पुलिस की बड़ी चुनौती

क्राइम ग्राफ में बदलाव, सड़क अपराध कम, डिजिटल अपराध ने बढ़ाई टेंशन

- गाजियाबाद में क्राइम का स्वरूप बदल रहा है

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। गाजियाबाद में भी यही ट्रेंड सामने आया है। जहां एक ओर लूट और स्नेचिंग जैसी वारदातों में थोड़ी कमी पुलिस अधिकारियों के लिए राहत लेकर आई है, वहीं साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

साल 2025 में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के 25 थानों और साइबर क्राइम थाना को मिलाकर डेढ़ हजार से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले साइबर फ्रॉड से जुड़े रहे। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि दर्ज मामलों के अलावा भी बड़ी संख्या में ऐसे केस हैं, जिनमें लोग शिकायत तक दर्ज नहीं करवाते हैं। इन घटनाओं के मामले इंदिरापुरम, कवि नगर, राजनगर एक्सटेंशन, क्रॉसिंग रिपब्लिक, लोनी और मसूरी समेत कई इलाकों से सामने आए हैं।

साइबर क्राइम, आईटी एक्ट के तहत 847 मामलों में कार्रवाई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आंकड़ों से साफ है कि जहां लूट की घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई है, वहीं स्नेचिंग और साइबर अपराधों में इजाफा देखने को मिला है। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया आईडी हैकिंग, सेक्सटॉर्शन, फर्जी इन्वेस्टमेंट स्कीम और ऑनलाइन ठगी के मामलों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। साइबर क्राइम से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि एक क्लिक की गलती और ज्यादा मुनाफे का लालच लोगों को साइबर ठगों का आसान शिकार बना रहा है। दरअसल इनविटेशन कार्ड से फोन हैक करके पहले साइबर ठगी का जाल बुनते हैं, फिर खाता खाली हो जाता है।

चेकिंग से सड़क अपराधों में कमी

करंट क्राइम : पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सघन चेकिंग अभियान, पेट्रोलिंग और पुलिस बल की बढ़ती तैनाती के चलते सड़क पर होने वाली लूट और स्नेचिंग की घटनाओं में अपेक्षाकृत कमी आई है। लेकिन साइबर अपराधियों की बदलती तकनीक और नए-नए तरीकों ने पुलिस के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। गाजियाबाद में क्राइम का स्वरूप बदल रहा है। अपराध अब सड़कों से ज्यादा मोबाइल और इंटरनेट के जरिए हो रहा है। ऐसे में पुलिस के साथ-साथ आम लोगों को भी सतर्क और जागरूक होने की जरूरत है।

क्राइम आंकड़े : लूट घटी, स्नेचिंग और साइबर क्राइम बढ़ा

लूट के मामले	
2023	61
2024	79
2025	33

स्नेचिंग के मामले	
2024	196
2025	300

साल 2025 में दर्ज साइबर मामलों में सबसे ज्यादा शिकायतें:

- इनविटेशन कार्ड भेजकर मोबाइल हैक करने।
- सोशल मीडिया पर दोस्ती कर सेक्सटॉर्शन।
- ग्रुप चैट के जरिए पैसे दोगुना करने का लालच।
- फर्जी ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट ऐप।
- इन्वेस्टमेंट और बिटक्वाइन से ठगी।

भाजपा नेता हातम सिंह नागर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

अब खेलेंगे भाजपा किसान मोर्चा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वाली पारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा नेता हातम सिंह नागर को एक बार फिर भाजपा किसान मोर्चा में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें भाजपा किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य बनाया गया है। भाजपा किसान मोर्चा की राष्ट्रीय टीम में 11 चेहरों केा लिया गया है जिनमें हातम सिंह नागर का भी नाम शामिल है। हातम सिंह नागर गुर्जर राजनीति का पुराना चेहरा हैं। लम्बेसमय से राजनीति कर रहे हैं और एक्टिव मोड मं रहते हैं। हातम सिंह नागर को इससे पहले भाजपा किसान मोर्चा ने ही जम्मू कश्मीर राज्य का प्रभारी वाला दायित्व मिला हुआ है। वो भाजपा किसान मोर्चा के महाराष्ट्र प्रभारी भी हैं। हातम सिंह नागर को भाजपा किसान मोर्चा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाये जाने के बाद उनके समर्थकों में खुशी का महौल व्याप्त है। वहीं गुर्जर समाज के लोगों ने भी हातम सिंह नागर को यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त की है। दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में भाजपा नेता और भाजपा किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हातम सिंह नागर ने इस दायित्व को दिये जाने पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा सांसद राजकुमार चाहर का विशेष आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मुझे किसान मोर्चा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व दिये जाने पर मैं हृदय से शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हू। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से किसानों, मजदूरां और शोषित वर्ग की लड़ाई लड़ते रहे हैं। उनहोंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के लाखों किसानों के लिए जनकल्याणकारी जनयोजनायें बनायी गयी हैं। मोदी सरकार हमेशा किसानों के कल्याण के लिए काम करती है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने सदैव किसान हित में काम किया है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा किसानों के हित के लिए काम करेंगे और सरकार की जनकल्याणकारी किसान हितकारी योजनाओं के साथ किसानों के बीच रहेंगे।

आ सकती है कई चौकी प्रभारियों पर आंच कमिश्नर बैठाएंगे केस डायरी पर जांच

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सिस्टम में इन दिनों एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दे को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। सूत्रों के अनुसार, कई थाना प्रभारी और चौकी प्रभारियों के मामलों में यह बात सामने आ रही है कि उनके केस डायरी के परिचय (पैरवी/नोटिंग) पुराने कर्मचारियों या फिर निजी व्यक्तियों द्वारा काटे जा रहे हैं, जो नियमों के सीधे उल्लंघन की श्रेणी में आता है। सूत्र बताते हैं कि जब किसी मामले में न्यायालय द्वारा विवेचक को तलब किया जाता है, तो कई बार वह अधिकारी केस की सही विषय-वस्तु और तथ्यों को स्पष्ट नहीं कर पाता। इसका नतीजा यह होता है कि पुलिस को अदालत में बैकफुट पर आना पड़ता है और कई मामलों में फजीहत तक की स्थिति बन जाती है।

तीनों जोन में मच सकती है खलबली

करंट क्राइम : सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में खलबली मच सकती है। खासतौर पर वे इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर, जो स्वयं केस डायरी का परिचय नहीं काटते, उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पहले भी थाना प्रभारी और खास मामलों में कार्रवाई के बाद जो चर्चाएं हुई थीं, उसी कड़ी में अब यह मामला भी कड़ी कार्रवाई की ओर बढ़ता दिख रहा है। अब देखना यह होगा कि पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी इस पूरे प्रकरण पर कब और किस स्तर पर एक्शन लेते हैं, और इसका असर सिस्टम के भीतर किस तरह देखने को मिलता है।

गोपनीय जांच की तैयारी, कई अधिकारी रडार पर

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे मामले को लेकर कई थाना और चौकी प्रभारियों की गोपनीय जांच की तैयारी कर ली गई है। जांच में यह भी सामने आ सकता है कि किन अधिकारियों ने अपनी केस डायरी और परिचय दूसरों से लिखवाए हैं। सूत्र यह भी संकेत दे रहे हैं कि इस जांच की जद में टू और थ्री-स्टार रैंक के अधिकारी भी आ सकते हैं। इसके लिए उच्च स्तर पर मंथन और इनपुट जुटाने का काम शुरू हो चुका है। जानकारी के अनुसार, जब विवेचक स्वयं केस डायरी का परिचय नहीं लिखता, तो वह केस की बारीकियों से अनभिज्ञ रहता है। ऐसे में अदालत में पूछे गए सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाता। कई मामलों में तो सीधे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी पत्र और सवालों का सामना करना पड़ता है, जिससे पूरे कमिश्नरेट सिस्टम पर सवाल खड़े हो जाते हैं।

महाकुंभ 2025 में चार माह तक अग्नि सुरक्षा की कमान संभालने वाले 41 दमकलकर्मियों को मुख्यमंत्री का सम्मान

- डीसीपी ट्रांस हिंडन व सीएफओ ने सौंपे पत्र व मेडल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक महाकुंभ मेले के दौरान लगातार चार महीने तक अग्नि शमन सेवा देकर हजारों श्रद्धालुओं के जीवन की सुरक्षा करने वाले पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के 41 दमकल कर्मियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा भेजे गए प्रशस्ति पत्र और सम्मान पत्र शुक्रवार को गाजियाबाद में एक सम्मान कार्यक्रम के दौरान वितरित किए गए। यह सम्मान पत्र डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल की उपस्थिति में अपने कार्यालय में अग्निशमन कर्मियों को प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान दमकल कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, साहस और निस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए अधिकारियों ने कहा कि महाकुंभ जैसे विशाल और संवेदनशील आयोजन में अग्नि सुरक्षा की जिम्मेदारी अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है, जिसे गाजियाबाद दमकल विभाग ने पूरी दक्षता और सजगता के साथ निभाया।

शेष, पृष्ठ 2

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने राजघाट पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजघाट पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने बापू के विचारों को याद कर श्रद्धा भाव के साथ उनको नमन किया।

शुक्रवार को महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पर जाकर राष्ट्रपिता को नमन किया। प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे। सभी ने महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को याद किया। इस दौरान देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

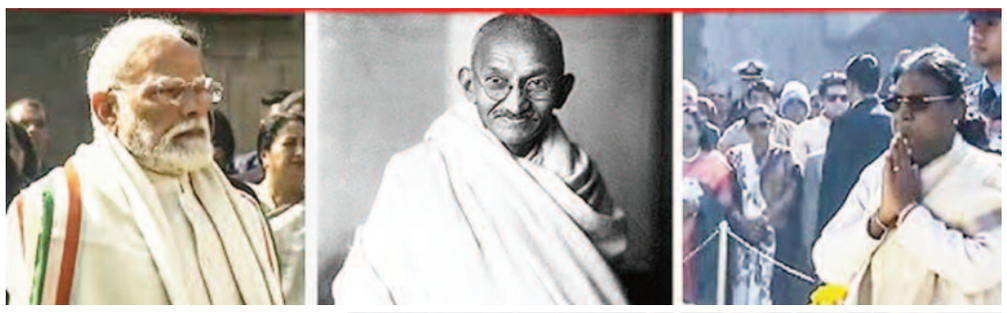

पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन। पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।'

एक दूसरी पोस्ट में पीएम मोदी ने वीडियो साझा कर लिखी यह बात

प्रधानमंत्री ने लिखा, "पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है, जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है।

अहिंसा परमो धर्मस्तथाऽहिंसा परन्तप:। अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्म: प्रवर्तते।।

अवैध घुसपैठ से बदली असम की डेमोग्राफी भाजपा कर रही पलटाव: शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान अवैध घुसपैठ से राज्य की जनसांख्यिकी में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इस प्रवृत्ति को पलटने के लिए ठोस कदम उठा रही है। शाह ने घुसपैठ रोकने के लिए भाजपा को तीसरे कार्यकाल का समर्थन देने की अपील की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान असम की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में बड़ा बदलाव आया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस प्रवृत्ति को पलटने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

धेमाजी जिले के करेंग चापोरी में टकम मिसिंग पोरिन केबांग (ऑल मिसिंग स्टूडेंट्स यूनियन) द्वारा आयोजित 10वें मिसिंग यूथ फेस्टिवल के समापन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे राज्य को घुसपैठ की समस्या से पूरी तरह मुक्त किया जा सकेगा।

कांग्रेस के शासनकाल में हुई घुसपैठ- शाह: अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में अवैध घुसपैठ के कारण असम की जनसांख्यिकीय संरचना में व्यापक बदलाव हुआ। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन के दौरान घुसपैठियों की संख्या शून्य से बढ़कर 64 लाख तक पहुंच गई और राज्य के सात जिलों में वे बहुमत में आ गए।

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार असम में बदले हुए डेमोग्राफिक ट्रेंड को पलटने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगातार दो भाजपा सरकारों के कार्यकाल में घुसपैठियों द्वारा किए गए अतिक्रमण से 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई गई है।

तीसरे कार्यकाल का समर्थन देने की अपील की

शाह ने कहा, अगर असम में घुसपैठ को रोकना है तो भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनना होगा और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के हाथ मजबूत करने होंगे। उन्होंने ऊपरी असम में घुसपैठ को रोकने में मिसिंग समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समुदाय की मेहनतकश जीवनशैली के कारण घुसपैठिए इस क्षेत्र में बस नहीं पाए।

अमित शाह ने कहा, घुसपैठ रोकने के लिए हथियार उठाने की जरूरत नहीं है। आपकी मेहनत और जीवनशैली ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान कई आदिवासी समुदायों को अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार मिसिंग समुदाय सहित अन्य आदिवासी समाजों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार के माध्यम से प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

महोबा में जलशक्ति मंत्री का काफिला रोका विधायक से हुई तीखी नोकझोंक

महोबा। जिले में सड़कों की बदहाली से नाराज विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला बीच सड़क पर रोककर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हुई, जिससे कलेक्ट्रेट मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

महोबा जिले में एक दिवसीय महोबा भ्रमण पर आए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का युवा उद्घोष कार्यक्रम से लौटते समय भाजपा विधायक ब्रजभूषण राजपूत और उनके समर्थकों ने काफिला रोक लिया। इस दौरान विधायक व उनके समर्थकों ने जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों की बदहाली बताई। विरोध के दौरान कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी झड़प हुई।

बताया जा रहा है कि शहर के रामश्री महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद मंत्री का काफिला लौट रहा था। तभी कलेक्ट्रेट मार्ग पर बड़ी संख्या में भाजपा विधायक व समर्थकों ने काफिला रोका। सीओ सदर अरुण कुमार सिंह और एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने मामले को नियंत्रण में किया। रास्ते से गाड़ी हटवाने के लिए स्वतंत्रदेव को खुद नीचे उतरकर आना पड़ा।

मंत्री ने विधायक से कहा- सड़कें खुदी मिली, तो अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा: काफिला रोकने के बाद चरखारी विधायक ब्रजभूषण राजपूत और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव के बीच बातचीत हुई। मंत्री ने कहा कि जहां कोई शिकायत है, वहां मुझे लेकर चलो। उस गांव में मैं खुद चलता हूं। 40 गांवों में कहोगे तो मैं सभी जगह चेक करने चलूंगा, मेरे साथ अफसर हैं। सभी जगह देखूंगा, लापरवाही मिलने पर अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा। आप मेरे साथ मेरी गाड़ी में चलिए।

इंस्पेक्टर ने दिखाई आंख तो, समर्थक बोला- खा जाओगे क्या: काफिला रोकने और झड़प के बाद जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को अपनी गाड़ी में बैठाया।

इस दौरान विधायक के समर्थकों की इंस्पेक्टर से झड़प हो गई। समर्थकों का कहना था कि पूरी बात हो जाएगी, वह तभी जाएंगे। इसी दौरान एक समर्थक बोला- आंख क्यों दिखा रहे हो, खा जाओगे क्या। इस पर इंस्पेक्टर ने कहा कि ऐसा नहीं है, बात तो हो रही है।

गाड़ी से नीचे उतरे मंत्री, विधायक से हुई कहासुनी

काफिला रुकने के बाद जलशक्ति मंत्री वाहन से नीचे उतर आए। इस दौरान विधायक से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पूरा मामला पहले से प्लानिंग के तहत माना जा रहा है। चरखारी विधायक के साथ बड़ी संख्या में पहले से ही समर्थक कलक्ट्रेट मार्ग पर पहुंच गए थे। बीच सड़क पर गाड़ियां लगाकर काफिला रोका गया। जब मंत्री गाड़ी से उतरे तो कहासुनी हुई।

समर्थकों को अलग कराकर काफिला आगे बढ़ाया

इसके बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए समर्थकों को सड़क से अलग कराया और काफिला आगे बढ़वाया। भाजपा विधायक के साथ बड़ी संख्या में प्रधान भी पहुंचे। जिनका कहना था कि जल जीवन मिशन से खोदी गई सड़कों की दशा खराब है, जिन्हें आजतक दुरुस्त नहीं कराया गया। साथ ही, कई गांवों में अभी तक पानी नहीं पहुंचा रहा है। तीन साल से समस्या बरकरार है। एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने बताया कि विधायक के समर्थकों ने समस्या बताने के लिए जलशक्ति मंत्री के काफिले को रोका था। इसके बाद में समर्थकों को अलग कराकर काफिला आगे बढ़वाया गया।

डिजिटल वित्त सुधार और पूंजीगत व्यय में यूपी अव्वल: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में परियोजनाओं की वित्तीय स्वीकृति प्रक्रिया को तेज, सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री स्तर से मिलने वाली स्वीकृति की सीमा, जो अभी 10 करोड़ रुपये तक है, उसे बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किया जाए।

50 से 150 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं की मंजूरी वित्त मंत्री स्तर से और 150 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं को स्वीकृति मुख्यमंत्री स्तर से दी जाए, जिससे परियोजनाओं को समय पर वित्तीय मंजूरी मिले और काम तेजी से आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपनी वार्षिक कार्ययोजना 15 अप्रैल तक हर हाल में स्वीकृत करा लें। समयसीमा का पालन न करने वाले विभागों की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी परियोजना की लागत में 15% से ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विभाग कारण सहित पुनः अनुमोदन प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अल्प-वेतनभोगी कर्मियों, जैसे आशा बहनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय हर माह तय तारीख को उनके बैंक खातों में पहुंच जाए। जिन योजनाओं में केंद्रांश मिलता है, वहां राज्य अपने मद से मानदेय समय पर जारी करे, ताकि किसी कर्मी को देरी न हो। यह व्यवस्था यथाशीघ्र लागू की जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का 1,10,555 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय देश में सबसे अधिक रहा। राज्य ने जितना शुद्ध लोक ऋण लिया, उससे भी ज्यादा राशि पूंजीगत कार्यों पर खर्च की, जो वित्तीय अनुशासन का मजबूत संकेत है।

कुल व्यय का 9.39% निवेश पर खर्च कर उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा। राजकोषीय घाटा, राजस्व घाटा और ऋण/जीएसडीपी अनुपात जैसे सभी संकेतक एफआरबीएम मानकों के अनुरूप रहे। वर्ष 2024-25 में राज्य की कुल देनदारी घटकर जीएसडीपी के 27% पर आ गई। नीति आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश का कंपोजिट फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2014 में 37 से बढ़कर 2023 में 45.9 हो गया है और राज्य फ्रंट रनर श्रेणी में पहले स्थान पर है।

वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को वित्त विभाग की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राज्य की राजकोषीय स्थिति, बजट प्रबंधन, पूंजीगत व्यय, निर्माण कार्यों की व्यवस्था, एकमुश्त प्रावधान, डिजिटल वित्तीय सुधार, कोषागार प्रक्रियाएं, पेंशन व्यवस्था और विभागीय नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुदृढ़, पारदर्शी और रिजल्ट ओरिएंटेड वित्तीय प्रबंधन का आदर्श राज्य बनाना है। इसके लिए सभी विभाग समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और डिजिटल प्रक्रियाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में राज्य गारंटी पॉलिसी लागू की जाए।

स्कूलों में मुफ्त सैनेटरी पैड अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। स्कूली बच्चियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों को स्कूलों के अंदर मुफ्त सैनेटरी पैड रखने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि मेंस्ट्रुअल हेल्थ यानी मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार संविधान में दिए गए जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त में बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड दिए जाएं। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मेंस्ट्रुअल हेल्थ यानी मासिक धर्म स्वास्थ्य के अधिकार के तहत संविधान में दिए गए जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है।

स्कूली बच्चियों के स्वास्थ्य से जुड़े आदेश पर अदालत ने कहा है कि अगर सरकारी स्कूल छात्राओं को टॉयलेट और मुफ्त सैनेटरी पैड देने में फेल होती हैं, तो उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। वरिष्ठ न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति को पूरे देश में लागू करने पर यह आदेश दिया है।

प्राइवेट स्कूलों को 'सुप्रीम' चेतावनी: सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अगर प्राइवेट स्कूल लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय और सैनेटरी पैड देने में फेल होते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने कहा, 'मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। अगर प्राइवेट स्कूल ये सुविधाएं देने में विफल रहते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।'

अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देश: इसी के साथ अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी स्कूलों में दिव्यांगों के लिए अनुकूल शौचालय उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। वहीं सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूलों में महिला और पुरुष छात्रों के लिए अलग-अलग शौचालय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बता दें कि शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर, 2024 को जया ठाकुर की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक की किशोर छात्राओं के लिए सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में केंद्र सरकार की 'स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता नीति' को पूरे भारत में लागू करने की मांग की गई।

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग...285 यात्रियों को सांस लेने में हुई दिक्कत

लखनऊ। लखनऊ से सऊदी अरब के जेद्दा जा रहे सऊदी एयरलाइंस के विमान की तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान मुंबई के पास पहुंच चुका था, लेकिन अनुमति न मिलने पर लखनऊ लौटाया गया। विमान में 275 यात्री और 10 क्रू मेंबर सवार थे।

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से जेद्दा जा रहा सऊदी अरबिया एयरलाइंस का विमान शुक्रवार दोपहर अचानक रास्ते से वापस लौट आया। विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसको लेकर एयरपोर्ट अधिकारियों में अफरा तफरी मच गई। जानकारी होने पर विमान में सवार यात्री भी दहशत में आ गए। फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित हैं और विमान में आई खराबी दूर करने के लिए इंजीनियरों की टीम लगा दी गई है।

विमान में क्रू मेंबर सहित 285 यात्री सवार थे: एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि लखनऊ एयरपोर्ट से दोपहर 12:05 बजे जेद्दा जाने वाला सऊदी अरबिया एयरलाइंस का विमान (एसवी 891) शुक्रवार को दोपहर करीब 12:25 बजे रवाना हुआ। विमान जेद्दा जा रहा था, तभी रास्ते में केबिन प्रेशर की समस्या आ गई। इसकी जानकारी मिलते ही पायलट ने नजदीकी एयरपोर्ट मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग के लिए एटीसी से संपर्क किया। लेकिन, वहां लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी।

जिसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट के एटीसी से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग कराने को कहा। बाद में करीब 1:45 बजे विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान में क्रू मेंबर सहित 285 यात्री सवार थे।

केबिन प्रेशर में आई दिक्कत: विमान में केबिन प्रेशर आर्टिफिशियल एयर प्रेशर है, जो हवाई जहाज के अंदर बनाए रखा जाता है। इससे जब विमान 30000 से 40000 फिट की ऊंचाई पर होता है, तब भी विमान में सवार लोगों को सांस लेने में कोई दिक्कत नहीं होती है। केबिन प्रेशर उसे ऊंचाई में भी 6000 से 8000 फीट की ऊंचाई के बराबर वाला एयर प्रेशर बनाए रखता है।

इससे यात्री आसानी से सांस लेते रहते हैं। लेकिन सूत्रों ने बताया कि उक्त विमान में केबिन प्रेशर की समस्या होने के कारण यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। इसी वजह से विमान को रास्ते से वापस लौटना पड़ा।

महाकुंभ 2025 में चार माह तक अग्नि सुरक्षा की कमान संभालने वाले 41 दमकलकर्मियों को मुख्यमंत्री का सम्मान

- डीसीपी ट्रांस हिंडन व सीएफओ ने सौंपे पत्र व मेडल

गाजियाबाद, करंट क्राइम: वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक महाकुंभ मेले के दौरान लगातार चार महीने तक अग्नि शमन सेवा देकर हजारों श्रद्धालुओं के जीवन की सुरक्षा करने वाले पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के 41 दमकल कर्मियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा भेजे गए प्रशस्ति पत्र और सम्मान पत्र शुक्रवार को गाजियाबाद में एक सम्मान कार्यक्रम के दौरान वितरित किए गए। यह सम्मान पत्र डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल की उपस्थिति में अपने कार्यालय में अग्निशमन कर्मियों को प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान दमकल कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, साहस और निस्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए अधिकारियों ने कहा कि महाकुंभ जैसे विशाल और संवेदनशील आयोजन में अग्नि सुरक्षा की जिम्मेदारी अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है, जिसे गाजियाबाद दमकल विभाग ने पूरी दक्षता और सजगता के साथ निभाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गाजियाबाद दमकल विभाग के कुल 41 अधिकारी एवं कर्मचारी दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक लगभग चार महीने तक प्रयागराज महाकुंभ में विभिन्न सेक्टरों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहे। इस दौरान उन्होंने न केवल कई संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को समय रहते विफल किया, बल्कि कुछ स्थानों पर हुई भीषण आग की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया, जिससे बड़े हादसे टल गए और हजारों श्रद्धालुओं की जान बच सकी। उन्होंने बताया कि इस विशेष ड्यूटी में दो सहायक दमकल अधिकारी, तीन लीडिंग फायरमैन, फायरमैन तथा वाहन चालक शामिल थे, जिन्होंने चौबीसों घंटे अलर्ट रहकर अपनी सेवाएं दीं।

कठिन परिस्थितियों, भारी भीड़ और सीमित संसाधनों के बावजूद दमकल कर्मियों ने उच्च स्तर की पेशेवर क्षमता का परिचय दिया। बता दें कि डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सभी चयनित कर्मियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि इन दमकल योद्धाओं ने अपने कार्य से न केवल गाजियाबाद बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मियों का सम्मान अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि दमकल विभाग भविष्य में भी इसी समर्पण और तत्परता के साथ जनसुरक्षा के कार्यों को अंजाम देता रहेगा।

कपसाड़ मामले में पीड़ित परिवार बोला-सुरक्षा के नाम पर हो रही पहरेदारी, पुलिस बोली-आरोप बेबुनियाद

मेरठ। मेरठ के सरधना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित युवती के अपहरण व मां की हत्या मामले में पीड़ित परिवार ने प्रशासन पर नजरबंद रखने और सुनवाई न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपों को निराधार बताया।

मेरठ के सरधना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित युवती के अपहरण के दौरान हुई महिला की हत्या मामले में पीड़ित परिवार ने प्रशासन पर नजरबंद रखने और सुनवाई न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपों को निराधार बताया।

पीड़ित परिवार का फूटा गुस्सा

सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की युवती के अपहरण के दौरान उसकी मां सुनीता की हत्या के मामले में अब पीड़ित परिवार ने शासन-प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया से बातचीत में मृतका के पति सतेंद्र ने कहा कि उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है और अनुसूचित जाति से होने के कारण उन्हें न्याय से वंचित किया जा रहा है।

सुरक्षा के नाम पर 'नजरबंदी' का आरोप: सुनीता के पुत्र नरसी ने आरोप लगाया कि परिवार को चौबीसों घंटे पुलिस पहरे में रखा जा रहा है। न किसी रिश्तेदार से मिलने दिया जा रहा है और न ही कहीं आने-जाने की अनुमति मिल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रशासन उनके फोन तक टैप करवा रहा है।

अपहरण का विरोध बना हत्या की वजह: बताया गया कि आठ जनवरी को गांव के ही युवक पारस सोम ने अनुसूचित जाति की युवती का अपहरण किया था। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी मां सुनीता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था, जिससे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

राजनीति में भी गूंजा मामला: घटना के बाद मामला प्रदेश स्तर तक पहुंच गया था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी योगी सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था और बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी गई थी।

पुलिस बोली-आरोप बेबुनियाद: पूरे मामले में सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने कहा कि पीड़ित परिवार को शासन के निर्देश पर सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। उनके आने-जाने पर कोई रोक नहीं है। परिवार द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं और उन्हें समझाने का प्रयास किया जाएगा।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 31 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

भगवागढ़ में बदल रही हैं अब जन राजनीति की हवायें

बदला है अंदाज और ताकत दिखाने के लिए नेता नहीं करते हैं जनसभाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति का अपना एक मानक होता है और राजनीति में अगर अंग्रेजी शब्द नीड की बात करें तो राजनीति की सबसे बड़ी नीड, सबसे बड़ी जरूरत भीड़ होती है। नेता ही वही माने जाते हैं जिनके साथ भीड़ होती है। राजनीति में वो चेहरे खुद पर प्राउड कर सकते हैं जिनके पास समर्थकों का अपना एक क्राउड होता है। और ये क्राउड ही उन्हें प्राउड फील कराता है। एक दौर था जब नेता अगर दूसरे दल में शामिल हो रहे हैं तो वो अपने दम पर एक बड़ी जनसभा बुलाते थे और उस जनसभा में वो इस दल से उस दल जाने के लिए अपने भीड़ वाले बल का प्रदर्शन करते थे। लेकिन सियासत में धीरे धीरे अपना अंदाज बदला है और अब नेता अगर दल भी बदलते हैं तो अब वो बल दिखाने का पंच उस मंच से देते हैं जहां वो ज्वाईनिंग करते हैं। अब वो ना भीड़ लेकर आते हैं और ना जनसभा करते हें। अब नेता मंच वाला पंच देते हैं। यानी कोई लखनऊ में डिप्टी सीएम के हाथों पटका पहनेगा और संदेश देगा कि हमारी पकड़ यहां तक है। कोई किसी अन्य कार्यक्रम में शामिल होगा और संदेश देगा। इन सबकी खास बात ये है कि इसमें भीड़ का होना जरूरी नहीं है लेकिननेता का मंच पर बड़े नेता के साथ होना जरूरी है। जबसे राजनीति की ये हवायें बदली हैं, तब से कोई नेता जनसभायें नहीं करता। कभी एक दौर था जब चुनावों से पहले जनसभायें होती थीं, नेता अपनी ताकत को दिखाते थे। लेकिन राजनीति की नर्सरी में एक पौध ऐसी आयी है जो जनसभा तो दूर की बात है एक सम्मेलन बुलाने में भी ईवेंट मैनेजमेंट का सहारा लेती है। एक दौर में राजनीतिक चेहरे आंदोलन से आते थे। अब तो लखनऊ दिल्ली की परिक्रमा और सोशल मीडिया से लेकर होर्डिंग को ही राजनीति का बूस्टर माना जाने लगा है।

सिमट रही है राजनीति , होर्डिंग-बैनर और डिजिटल प्रचार तक

करंट क्राइम। एक दौर था जब नेता डोर टू डोर जाया करते थे। लोग उन्हें नाम से जानते थे, चेहरे से पहचानते थे। वो आंदोलन का हिस्सा बनते थे। लेकिन नयी पौध की राजनीति में जनसभा नामक कन्सैप्ट ही खत्म हो रहा है। अब राजनीति में नये चेहरे क्षेत्र में होर्डिंग लगाते हैं। ये सियासत की नयी पौध प्रचार के लिए डिजिटल साधनों को अपनाती है। फेसबुक पेज से लेकर व्हाटसप पर नजर आती है। राजनीति की ये फौज पब्लिक में कम और मोबाईल में ज्यादा दिखाई देती है। वो डॉक्यूमेंट्री बनाती है लेकिन राजनीति के ये इवेंट वाले लीडर जनता के बीच नहीं होते हें। जनता उन्हें अपना नेता मानती है जो उनके बीच होते हैं। जनप्रतिनिधियों की बात करें तो सभी जनप्रतिनिधि जनता के बीच के चेहरे हैं। एक लम्बे समय तक पहले जनता के बीच रहे हैं फिर राजनीति में आये हैं। लेकिन नयी पौध की नेताओं की बात करें तो सभी दलों के नेताओं का यही हाल है।

भाजपा में आने के बाद जनसभा से दिखाई थी नरेन्द्र कश्यप ने ताकत

करँट क्राइम। नरेन्द्र कश्यप अनुभव और प्रोफाईल दोनों के लिहाज से गाजियाबाद की राजनीति के बड़े नेता है। वो लगातार एमएलसी रहे हैं, वो राज्यसभा सांसद रह चुके हैं, वो अपने पुराने दल के राष्ट्रयी महासचिव रहे हैं और दो राज्यों के प्रभारी रहे हें। वर्तमान में वो भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हें, वो सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं। उनके राजनीतिक सफर पर निगाह डालें तो पूरी राजनीति पिछड़ों के ईर्दगिर्द रही है। जब वो भाजपा में आये थे तो उन्होंने रामलीला मैदान में बड़ी जनसभा की थी। जिसमें ये बताया कि उनका अपना जनाधार कितना है। इसके अलावा वो हर वर्ष अप्रैल के महीने में कश्यप महाकुम्भ के जरिये भी अपनी बिरादरी ताकत को दिखाते हें। इस बार उन्होंने मुज्जफरनगर में अपनी इस समर्थक वाली ताकत को दिखाया है।

जनता दरबार से लेकर होली मिलन तक शहर विधायक संजीव शर्मा

करंट क्राइम। संजीव शर्मा लगातार दो बार महानगर अध्यक्ष रहे और अब तक के सबसे लोकप्रिय अध्यक्ष माने जाते हैं। मौजूदा समय में शहर विधायक हैं। जनसभा बुलाने और भीड़ जुटाने की ताकत रखते हैं। ऐसे कई मौके हैं जब उन्होंने अपनी इस ताकत का अहसास कराया है। साहिबाबाद में एक जीत पर उन्होंने 100 स्थानों पर रोड शो में कार्यक्रम रखे थे। समाधान संस्था से लेकर दूसरी संस्था के बैनर पर वो जनसभा करा चुके हैं। अब शहर विधायक हैं और जहां तक जनजुड़ाव की बात है तो सुबह सवेरे उनके यहां जनता दरबार लग जाता है। भीड़ जुटाने की बात हो तो होली महोत्सव के जरिये वो इस कला को कभी भी दिखा सकते हैं। भीड़ जुटा लेने की क्षमता वाले नेता है लेकिन फिलहाल जनसभा वाले फोरमेट से खुद को दूर रखा है।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा जनसभा से लेकर लिटटी चौखा की दावत तक

करंट क्राइम। सुनील शर्मा की बात करें तो वो ऐसे नेता हैं जिन्होंने संगठन से लेकर सरकार का सफर तय किया है। वो संगठन में अध्यक्ष रहे हैं, सरकार में कैबिनेट मंत्री है। वो मुददों को लेकर जनता के बीच जाने की ताकत रखते हैं। जनसभायें भी बुलाई हैं और देश की सबसे बड़ी विधानसभा में वो लगातार अपने जनाधार का मुलाईजा करते रहते हैं। अब उन्होंने राजनीति का दूसरा रंग अपनाया है। वो अब सांस्कृतिक मेल मिलाप के साथ एक संदेश देते हैं कि यह समाज मेरे साथ है। उत्तराखण्ड समाज उनके साथ आता है और पूर्वांचल समाज को लिटटी चोखा की दावत में आनंद आता है। वैसे भी सुनील शर्मा जननेता हैं और बाकायदा दफ्तर खोला हुआ है। लेकिन जनसभाओं वाले फोरमेट से वाले अब खुद को अलग कर रहे हैं।

जनसभा से लेकर सम्मेलन तक पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा

करंट क्राइम। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा जनराजनीति का चेहरा हैं। चुनावी चेहरा हैं और विधानसभा से लेकर लोकसभा तक चुनाव लड़ने का अनुभव है। वर्तमान समय में उनकी पत्नी मोहिनी शर्मा खोड़ा नगरपालिका की अध्यक्ष हैं। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा उन चेहरों में हैं जो बिरादरी के सम्मेलन से लेकर क्षेत्र की जनसभा बुलाने की ताकत रखते हैं। उनके पास समर्थकों का एक बड़ा हुजूम है और जनसभा वो कर भी चुके हैं।

पूर्व सांसद से लेकर पूर्व विधायक का आता है इसमें नाम

करंट क्राइम। जननेताओं की बात करें तो गाजियाबाद की राजनीति में पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर और पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी के नाम के बिना ये जिक्र अधूरा है। ये दोनों उस दौर के नेता है जब खुद को साबित करने के लिए जनसभायें आयोजित होती थीं। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर बड़ी जनसभा आयोजितकरा चुके हैं, उनके भीतर एक क्षमता है और उन्हें राजनीति में गुरूजी ऐसे ही नहीं कहा जा ता है। पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी की राजनीति में कई मौके ऐसे आये हैं जब उन्होंने बड़ी जनसभाओं का आयोजन कराया है।

मनोज धामा भी हैं जनसभा कराने की क्षमता वाले नेता

करंट क्राइम। मनोज धामा लोनी की राजनीति के ऐसे चेहरे हैं जिन्हे इग्नोर नहीं किया जा सकता। वो खुद नगरपालिका चेयरमैन रहे हैं। उनकी पत्नी रंजीता धामा लगातार दूसरी बार लोनी नगरपालिका अध्यक्ष हैं। मनोज धामा लोनी की राजनीति के ऐसे चेहरे हैं जो अपने दम पर एक बड़ी जनसभा कराने की ताकत रखते हैं। वो पूर्व में बड़ी जनसभा करा भी चुके हैं।

देहात से लेकर शहर तक रखते हैं अपना एक असर अजितपाल त्यागी

करंट क्राइम। जनसभा की बात करें तो मुरादनगर विधायक अजितपाल त्यागी ऐसी ही क्षमता के नेता है। हालाकि वो ऐसी जनसभा से खद को दूर रखते हैं लेकिन जो उनकी राजनीति का पैरामीटर जानते हैं वो ये भी जानते हैं कि जनसभा कराना अजितपाल त्यागी के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। राजनीति उन्हें विरासत में मिली है,उन्होंने खुद को राजनीति की पाठशाला में पूरी तरह से घिसा है। मुरादनगर देहात के किसी भी गांव के किसी गली का नाम उनके सामने लिया जाये तो वो दस नाम जुबानी वहां के बता देंगे। जनता के मिलकर चलते हैं, संवाद कायम करते हैं। लेकिन जनसभा वाले अंदाज से अभी वो भी दूरी बनाये हुए हैं।

महापौर सुनीता दयाल ने लिया फिर बड़ा एक्शन

इंदिरापुरम की ग्रीन बेल्ट से हटवाया अवैध कब्जा, 15 करोड़ की 1100 मीटर भूमि कब्जा मुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम : एनएच-9 स्थित इंदिरापुरम की ग्रीन बेल्ट पर वर्षों से किए गए अवैध कब्जे को नगर निगम ने महापौर सुनीता दयाल के निर्देश पर हटाकर करीब 1100 मीटर लंबी, लगभग 15 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया है। यह कार्रवाई नगर निगम के उद्यान विभाग, संपत्ति विभाग एवं संबंधित जोन के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

बता दें कि चार दिन पूर्व रविवार को महापौर सुनीता दयाल ने स्थानीय पार्षदों एवं निगम अधिकारियों के साथ ग्रीन बेल्ट का स्थलीय निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि मोमिन, प्रमोद और राजबलिया नामक व्यक्तियों द्वारा भूमि पर अवैध कब्जा कर खोखे, नर्सरी, दुकानें और पशुपालन का कार्य कराया जा रहा था और स्थानीय लोगों से किराया भी वसूला जा रहा था। निरीक्षण के समय कब्जाधारियों ने पट्टा होने का दावा किया था, लेकिन नगर निगम द्वारा की गई जांच में कोई वैध दस्तावेज नहीं पाया गया। इसके बाद महापौर ने मौके पर ही सभी कब्जाधारियों को 2-3 दिन के भीतर स्वयं कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी और स्पष्ट किया था कि तय समयसीमा के बाद की गई कार्रवाई में होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। निर्धारित समयावधि के बाद भी कब्जा न हटाए जाने पर आज नगर निगम ने विधिवत कार्रवाई करते हुए ग्रीन बेल्ट को पूरी तरह कब्जा मुक्त करा लिया।

मेयर की कब्जा करने वालों को खुली चेतावनी

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जा और गंदगी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह भूमि जनहित में उपयोग में लाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम के अधिकारी शहर हित में लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं और भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। महापौर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस भूमि पर दोबारा कब्जा करने का प्रयास किया गया, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यूजीसी गाइडलाइन पर 'डर' नहीं, 'पढ़े-समझे बिना फैलाई गई बेचैनी' दिखी : बालेश्वर त्यागी

कहा,संसदीय समिति से लेकर एकता समिति तक सवर्ण प्रतिनिधित्व मौजूद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। यूजीसी की नई गाइडलाइन को लेकर सोशल मीडिया से लेकर ज़िला मुख्यालयों तक जिस तरह से जनरल क्लास के विरोध के स्वर उभरे, उस पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने स्थिति को तथ्यात्मक ढंग से स्पष्ट किया है।

त्यागी ने कहा कि यूजीसी की नई गाइडलाइन को लेकर प्रतिक्रिया देने से पहले गजट की मूल प्रति को ध्यान से पढ़ना जरूरी है, न कि अधूरी जानकारियों और आशंकाओं के आधार पर राय बनाना। उन्होंने कहा कि जिस संसदीय समिति ने इन दिशानिदेर्शों को अनुमोदन दिया, उसमें कुल 31 सांसद शामिल थे, जिनमें से 17 सांसद सवर्ण वर्ग से थे, ऐसे में यह कहना कि निर्णय एकतरफा या किसी विशेष वर्ग के विरुद्ध है, तथ्यों से परे है।उन्होंने आगे बताया कि गाइडलाइन के तहत गठित की जाने वाली एकता समिति में कुल दस सदस्य होंगे, जिनमें एक संस्थान प्रमुख, दो वरिष्ठ प्रोफेसर, एक संस्थान का कर्मचारी, दो नागरिक समाज के प्रतिनिधि, दो छात्र प्रतिनिधि तथा एक केंद्र समन्वयक सदस्य सचिव के रूप में होंगे। इस समिति में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और महिला प्रतिनिधित्व का प्रावधान है। बालेश्वर त्यागी ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि दिव्यांग और महिला प्रतिनिधियों के लिए किसी आरक्षित श्रेणी की बाध्यता नहीं रखी गई है, अर्थात समिति में दस में से केवल तीन पद आरक्षित वर्ग से अनिवार्य हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यह समिति स्वयं कोई दंडात्मक या कार्यवाही का अधिकार नहीं रखती, बल्कि केवल अनुशंसा की भूमिका में है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि गाइडलाइन के क्रम संख्या 9 में स्पष्ट रूप से अपील का अधिकार दिया गया है, जिससे किसी भी पक्ष को न्यायिक संरक्षण प्राप्त रहता है। त्यागी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि जितना डर इस कानून को लेकर दिखाया और फैलाया जा रहा है, उतना डर इसमें है ही नहीं। समस्या कानून में नहीं, बल्कि बिना पढ़े-समझे प्रतिक्रिया देने की प्रवृत्ति में है।

महानगर की टीम के लिए शुरू होने जा रहा है दावेदारों का काउन्ट डाउन

पता चलेगा किसके सिर पर आया है महामंत्री का ताज और किसे मिला है उपाध्यक्ष वाला क्राउन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा चुनावी रण की तैयारी में जुटी है और अब उसके यहां इलेक्शन से पहले टीम में सलेक्शन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। भाजपा के संगठन की बात करें तो यहां शीर्ष नेतृत्व पर परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जा के हैं।

उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा हो चुकी है। दो बड़ी घोषणाओं के बाद ये माना जा रहा है कि जिले और महानगर की टीमें घोषित हो जायेंगी। गाजियाबाद में भी जिला और महानगर अध्यक्ष पहले ही घोषित हो चुके हैं। एक समय से दोनों अध्यक्ष पुराने खिलाड़ियों के साथ मैच खेल रहे हैं। एक तरह से कहा जा सकता है कि अभी नयी टीम का इंतजार हो रहा है। इंतजार जितना अध्यक्ष कर रहे हैं उससे ज्यादा बेकरारी का सीन उन चेहरों में है जो महानगर की टीम में जिम्मेदारी पाना चाहते हैं। भाजपा में अध्यक्ष के बाद चार महामंत्री

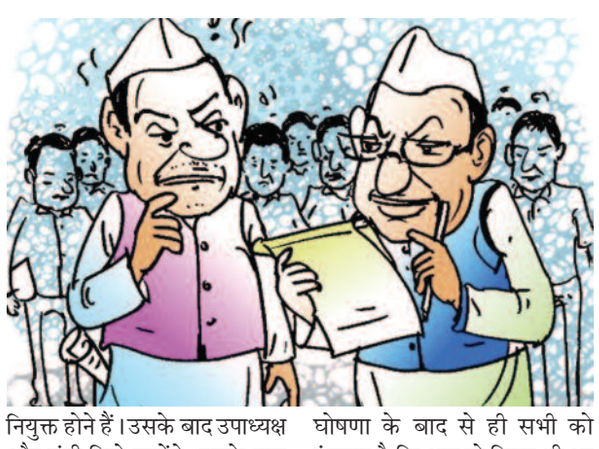

नियुक्त होने हैं। उसके बाद उपाध्यक्ष और मंत्री लिये जायेंगे। इसके बाद महानगर कार्यकारिणी सदस्यों से लेकर अन्य घोषणायें होंगी।

इस टीम में शामिल होने के लिए एक अनार सौ बीमार वाली कहानी चल रही है। बड़ी बात ये है कि अब इंतजार उन चेहरों से भी नहीं हो रहा है जो महानगर की टीम में आने के लिए तैयारी कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के बाद से ही सभी को इंतजार है कि अब वो लिस्ट भी आ जाये जिसमें महामंत्री के नामों की घोषणा हो, उपाध्यक्ष के नामों की घोषणा हो। ये दौड़ शुरू हो चुकी है। और यहां पर एक अहम सवाल है कि संगठन वाली टीम में महानगर वाले कप्तान की कितनी भूमिका रहेगी। क्या कप्तान को टीम के चेहरे सलैक्ट करने का कोई अधिकार रहेगा या टीम उपरसे सलेक्ट होकर आयेगी। इसमें सबसे बड़ी बात ये है कि क्या कोर कमेटी के नामों को प्राथमिकता मिलेगी। सूत्र बताते हैं कि महानगर की टीम में आने के लिए संघ से लेकर केन्द्र तक कई बड़े चेहरों की सिफारिश जहां पहुंचनी है वहां पहुंच चुकी है।

वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के स्तर पर ये नाम तय होने हैं लेकिन सूत्र ये भी बताते हैं कि नाम भले ही वहां से फाईनल हो जायें लेकिन जब तक महानगर वाली संस्तुति की मोहर नहीं लगेगी तब तक नामों की दावेदारी में करंट नहीं आयेगा। सूत्र बताते हैं कि फरवरी महीने में महानगर वाली लिस्ट आ सकती है। महानगर की टीम में कौन सा जातिय संतुलन साधा जायेगा ये देखने की बात है। यहां ब्रांहमण चेहरे से लेकर ठाकुर चेहरे को प्राथमिकता मिलेगी। दलित चेहरों में क्या एक बार फिर सुशील गौतम का नाम रीपीट होगा या फिर नदियापार वाले राम को यहां रिप्लेस किया जायेगा।

त्यागी चेहरों में कौन से चेहरे को करंट मिलेगा ये देखा जायेगा। ब्राह्मण चेहरों में क्या उन्हीं चार चेहरों में से एक आयेगा या किसी ऐसे चेहरे को मौका मिलेगा जो अनुभव में वरिष्ठ हैं। इन सब बातों के बीच सभी की निगाहें कोर कमेटी के गठन पर टिकी हैं। और बताने वाले बता रहे है कि पहले महानगर की टीम घोषित होगी और उसके बाद क्षेत्र और प्रदेश की टीम घोषित होगी। लेकिन जो लिस्ट सबसे ज्यादा चर्चा में है वो लिस्ट महानगर वाली टीम की है। यहां ऐडी चोटी काजोर लगा हुआ है।

जब कोर के सवाल पर बोले क्षेत्रीय अध्यक्ष एक दम 'श्योर'

करंट क्राइम। भाजपा के बड़ा राजनीतिक परिवार है। यहां जब संगठन का गठन होता है तो इसे संगठन का पर्व कहा जाता है। भाजपा में कोई भी फैसला एक टेबल से नहीं आता है। भाजपा के बारे में ये कहा जाता है कि यहां सामुहिक फैसले होते हैं। भाजपा के फैसलों की डोर भाजपा की कोर कमेटी के हाथों में मानी जाती है। कोर का फैसला होता है । लेकिन बीते दिनों एक घटनाक्रम ऐसा हुआ था कि कोर के बिना किसी ने अपने फैसले पर जोर दिया है। ऐसे में जब महानगर की टीम की घोषणा होनी है तो कोर का महत्व और कोर की बैठक को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया से सवाल किया। सतेन्द्र सिसौदिया एक सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आये हुए थे। यहां पर दैनिक करंट क्राइम ने उनसे सवाल किया कि महानगर की टीम कब तक घोषित हो जायेगी, और क्या महानगर की टीम घोषणा में कोर का फैसला सर्वमान्य होगा। क्या टीम की घोषणा से पहले कोर की बैठक होगी। इस सवाल पर सतेन्द्र सिसौदिया ने बिना देरी किये कहा कि 'श्योर' कोर की बैठक होगी। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की परम्परा है और हमारे यहां संगठन के गठन में भी पारदर्शिता होती है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि गाजियाबाद में 6 फरवरी से पहले भी घोषणा हो सकती है और 6 फरवरी के बाद भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोर कमेटी ही बैठेगी और कोर कमेटी के फैसलों का पालन होगा। इसके बाद सतेन्द्र सिसौदिया मुस्कुराये और उन्होंने कहा कि पार्टी की परम्पराओं का पालन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले महानगर की टीम घोषित होगी और फिर क्षेत्रीय टीम घोषित होगी।

क्या दिखाई देंगे इस बार टीम में नये खिलाड़ी या रहेगी वही पुरानी परिपाटी

करंट क्राइम। बदलाव की बात हो रही है और बदलाव राष्ट्र से लेकर प्रदेश तक दिखाई दे रहा है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में बिल्कुल नये चेहरे को पहली बार कमान सौंपी गयी है। इसी तरह प्रदेश वाली कमान भी एक अनुभवी लेकिन अभी तक लाईम लाईट से दूर रहे चेहरे को दी गयी है। गाजियाबाद की बात करें तो यहां भी जिला और महानगर की कमान उन चेहरों को दी गयी है जोसंगठन पर तो रहे हैं लेकिन महानगर अध्यक्ष पद पर वो पहली बार है। अब यहां चर्चा उन चेहरों को लेकर हैं जो अध्यक्षों की बदली के बाद भी नहीं बदले हैं। कोई चेहरा ऐसा है जो अशोक मोंगा के कार्यकाल से लेकर अब तक हर अध्यक्ष के साथ अपनी उसी जिम्मेदारी को संभाल रहा है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो अपनी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुछ चेहरे ऐसे है जो प्रमोशन पाना चाहते हैं। ऐसे में एक बड़ा सवाल ये है कि क्या कोई चेहरा रिपीट होगा या इस बार पार्टी नये चेहरों के साथ मैदान में आयेगी। सभी की निगाहें इस पर हैं। और यहां पर ये माना जा रहा है कि पार्टी अनुभवी और समर्पित चेहरों को कमान सौंपेगी। उन चेहरों को प्राथमिकता मिलेगी जो वास्तव में सियासत वाली जमीन पर एक्टिव हैं। वहीं सूत्र ये भी बताते हें कि पार्टी यहां सिफारिश और सक्रियता के बीच भी संतुलन साधेगी।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था की आगे राह

आर्थिक समीक्षा 2026-27 में जीडीपी वृद्धि, रुपये की स्थिति, वैश्विक चुनौतियों, कृषि, महंगाई और लोकलुभावन योजनाओं पर सरकार के संकेतों का विश्लेषण। हर साल संसद में पेश होने वाली आर्थिक समीक्षा आमतौर पर इस बात का ब्योरा होती है कि पिछले बजट में देश की अर्थव्यवस्था और अन्य मोर्चे पर सुधार के लिए जो वादे किए गए थे, वे किस हद तक पूरे किए जा सके। यह इसका भी संकेत होता है कि अगले वित्त वर्ष में सरकार के आर्थिक फैसलों में किन मसलों को प्राथमिकता मिल सकती है। इस लिहाज से देखें, तो वित्त मंत्री ने जो आर्थिक समीक्षा पेश की है, वह देश की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच उम्मीद जगाती है, लेकिन यह आने वाले वक्त के जोखिमों के प्रति आगाह भी करती है। समीक्षा में वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 6.8 फीसद से 7.2 फीसद के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में कमी के कारण रुपए पर प्रतिकूल असर और बीते वर्ष भारतीय मुद्रा में कमजोरी के बावजूद यह अनुमान अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत देता है। हालांकि समीक्षा में विकसित भारत और वैश्विक प्रभाव का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से मजबूत और स्थिर मुद्रा को एक स्वाभाविक जरूरत बताने के समांतर रुपए के मूल्य में गिरावट को हानिकारक नहीं माना गया, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में इजाफे के असर को कुछ हद तक कम करता है।

दूसरी ओर, यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर यह उम्मीद जताई गई है कि यह भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक, निर्यात और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के मुताबिक, अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारत को घरेलू वृद्धि को प्राथमिकता देने की जरूरत है और इसके लिए वित्तीय सुरक्षा उपायों और नकदी पर ज्यादा जोर देना चाहिए। जाहिर है, वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर तेजी से बदलते समीकरण और भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए अपने हितों के अनुकूल उपाय करने होंगे। आर्थिक समीक्षा में नवोन्मेष और वैश्विक पहलकदमियों को कमजोर किए बिना दक्षता और स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया गया है, जो निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता की संभावनाओं को मजबूत करेगा। कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। इस बिंदु पर सर्वेक्षण में यह कहा गया है कि कृषि निर्यात में व्यापार नीति का उपयोग कीमतों और उत्पादन में अस्थिरता के बीच अल्पकालिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। मगर बार-बार नीतिगत बदलाव आपूर्ति शृंखला को बाधित करते हैं। यह देखने की बात होगी कि समीक्षा में जाहिर इस चिंता के संदर्भ में बजट की क्या दिशा होती है। यों, महंगाई का असर नरम रहने और अगले वर्ष भी चिंता का बड़ा कारण नहीं बनने को लेकर उम्मीद जताई गई है। समीक्षा में अस्थायी कामगारों के लिए काम से जुड़ी शर्तें नए सिरे से तय करने के उद्देश्य से नीति लाने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

नौवीं बार बजट पेश करेंगी निर्मला सीतारमण
लंबे भाषणों का रिकॉर्ड बरकरार

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठ बार लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश कर चुकी हैं और अब 1 फरवरी को वह नौवीं बार बजट पेश करेंगी। अपने आठवें बजट के दौरान उन्होंने करीब 1 घंटे 17 मिनट यानी 77 मिनट तक भाषण दिया था। 2024 में आम चुनाव होने के कारण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश किया गया था, जिसमें वित्त मंत्री का भाषण लगभग 56 मिनट का रहा। चुनाव के बाद मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आई, जिसके बाद 23 जुलाई 2024 को पूर्ण बजट पेश किया गया। इस दौरान सीतारमण का बजट भाषण करीब 1 घंटे 25 मिनट तक चला। इससे पहले वित्त मंत्री सीतारमण ने 2023-24 के लिए 87 मिनट का बजट भाषण पढ़ा था। 2019 में उनका बजट भाषण 2 घंटे 17 मिनट का था। 2022 में वह 92 मिनट तक बोलीं थीं।

किस वित्त मंत्री ने दिया सबसे लंबा बजट भाषण?

निर्मला सीतारमण के नाम भारतीय इतिहास में सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड दर्ज है। केंद्रीय बजट 2020 के दौरान उनका भाषण भारतीय इतिहास का सबसे लंबा रहा, जो 2 घंटे 42 मिनट तक चला। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट 2019 में दिए गए 2 घंटे 17 मिनट के अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं, दिवंगत अरुण जेटली का 2014 का बजट भाषण 2 घंटे 10 मिनट का था। अब जानते हैं कि पिछले वर्षों में किस नेता ने अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण दिया।

साल 2019 में दो घंटे 17 मिनट बोलीं वित्त मंत्री

साल 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अपना पहला बजट पेश किया। इसी भाषण के साथ उन्होंने सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड बना दिया, जो 2 घंटे 17 मिनट तक चला। अगले साल उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया और वित्त वर्ष 2020-21 का बजट पेश करते हुए 2 घंटे 42 मिनट तक भाषण दिया। खास बात यह रही कि उनका भाषण उस दिन पूरा भी नहीं हो पाया स्वास्थ्य कारणों से उन्हें भाषण बीच में छोटा करना पड़ा और बजट के दो पेज पढ़ना बाकी रह गया था। इसके बाद 2021-22 में उनका बजट भाषण 100 मिनट का रहा, जबकि 2022-23 के बजट में उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक भाषण दिया।

जसवंत सिंह के नाम भी रहा सबसे लंबा बजट भाषण

निर्मला सीतारमण से पहले सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड भाजपा नेता जसवंत सिंह के नाम था। साल 2003 में उन्होंने करीब 2 घंटे 15 मिनट लंबा बजट भाषण दिया था।

मोरारजी देसाई ने सबसे ज्यादा 10 बार आम बजट पेश किया

अब तक सबसे ज्यादा बार आम बजट पेश करने का रिकॉर्ड मोरारजी देसाई के नाम है, जिन्होंने 10 बार बजट प्रस्तुत किया। इसके बाद पी. चिदंबरम और प्रणव मुखर्जी ने नौ बार बजट पेश किया। यशवंतराव चह्वाण, सीडी देशमुख और यशवंत सिन्हा ने सात बार, जबकि मनमोहन सिंह और टीटी कृष्णमाचारी ने छह बार आम बजट पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई 2024 को लगातार सातवीं बार बजट पेश किया था। इससे पहले 1 फरवरी 2024 को उन्होंने अंतरिम बजट प्रस्तुत किया था। इस वर्ष वह लगातार नौवीं बार बजट पेश करेंगी।

किस वित्त मंत्री ने दिया था सबसे छोटा बजट भाषण?

स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे छोटा बजट भाषण 1977 में हीरूभाई एम पटेल ने दिया था। उन्होंने केवल 800 शब्दों का अंतरिम बजट भाषण प्रस्तुत किया था। वहीं, सबसे छोटा पूर्ण बजट भाषण वाई बी चह्वाण का था, जिसमें करीब 9,300 शब्द थे। इस सूची में दूसरे स्थान पर मोरारजी देसाई का भाषण आता है।

रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसले सोना-चांदी
चांदी 34 हजार और सोना 8 हजार सस्ता

नई दिल्ली। सोना और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। टउ पर चांदी का भाव करीब 34,000 रुपये टूट गया, जबकि सोना लगभग 8,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ। लगातार रिकॉर्ड तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली और बाजार में करेक्शन के कारण दोनों कीमती धातुओं के दाम गिरे। सबसे बड़ी गिरावट चांदी की कीमतों में देखने को मिली। टउ पर चांदी का वायदा भाव करीब 34,293 रुपये तक टूट गया और 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी गिरकर 3,65,600 रुपये प्रति किलो पर आ गई।

गौरतलब है कि गुरुवार को चांदी ने ऐतिहासिक तेजी दिखाते हुए पहली बार 4 लाख रुपये प्रति किलो का स्तर पार किया था। कारोबार के अंत में इसका भाव 3,99,893 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी का लाइफ टाइम हाई स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया था, जहां से एक ही दिन में करीब 44,148 रुपये की बड़ी गिरावट देखने को मिली। वहीं सोने की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। टउ पर सोना खुलते ही करीब 8,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी का भाव ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार को चांदी ने लगातार चौथे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी और 19,500 रुपये या 5.06 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई।

वहीं 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 12,000 रुपये या 7.02 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के पिछले बंद भाव से बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। जनवरी में अब तक सोने की कीमतों में 24% से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है, जो लगातार छठे महीने तेजी की ओर इशारा करती है। यह जनवरी 1980 के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त मानी जा रही है। वहीं चांदी की कीमतें इस महीने करीब 62% तक उछल चुकी हैं, जो इसके इतिहास की सबसे बड़ी मासिक तेजी की ओर संकेत करती हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- एक चींटी विद्रोह से सावधान रहें! दुनिया में हर इंसान के लिए दस लाख चींटियां हैं। ये लचीले पप्राणी कभी भी सोते नहीं हैं और इनके फेफड़े भी नहीं होते हैं।
- तितलियों में दो मिश्रित आँखें हैं जिनमें हजारों लेंस होते हैं, फिर भी वे लाल, हरे और पीले रंगों को देख सकती हैं।
- क्या आपको पता है, शुतुरमुर्ग कि ठोकर एक मानव को मार सकती है।
- एक ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं।
- सींग वाली छिपकलियां खुद को बचाने के लिए अपनी आँखों से बाहर खून फेंक सकते हैं।
- हाथी केवल प्रत्येक दिन 2 से 3 घंटे सोते हैं।
- डॉलफिन एक समय में अपने मस्तिष्क के केवल आधे हिस्से के साथ सोते हुए 15 दिनों या उससे अधिक समय तक सक्रिय रह सकते हैं।
- लाखों पेड़ों को गलती से गिलहरी द्वारा ही लगाया जाता है, जो नट्स को जमीन में दफन करते हैं और फिर भूल जाते हैं कि उन्हें कहाँ छिपा दिया गया था।

40 प्रतिशत गिग कर्मियों की कमाई 15 हजार से कम, मजदूरी सुधार की जरूरत

नई दिल्ली। देश के करीब 40 फीसदी गिग (अस्थायी) कर्मचारी हर महीने 15,000 रुपये से भी कम कमाते हैं। यह आंकड़ा बताता है कि नियमित एवं अस्थायी रोजगार के बीच कमाई के मोर्चे पर अब भी एक बड़ी खाई है, जिसे पाटने के लिए उचित मजदूरी सुनिश्चित करने की जरूरत है। साथ ही, 1.20 करोड़ से अधिक गिग कर्मचारियों के वेतन में सुधार के लिए नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। जोमैटो संस्थापक दीपिंदर गोयल ने हाल ही में कहा था कि उनके प्लेटफॉर्म पर डिलीवरी पार्टनर दिन में 8-10 घंटे और सप्ताह में छह दिन काम कर हर माह 25,000 रुपये कमा सकते हैं। लेकिन, आर्थिक समीक्षा में इससे जुड़ी एक अलग ही सच्चाई सामने आई है।

प्रति घंटा न्यूनतम आय निर्धारित करना जरूरी: आर्थिक समीक्षा में नियमित एवं अस्थायी रोजगार के बीच कमाई के अंतर को कम करने के लिए प्रति घंटा या प्रति काम के हिसाब से न्यूनतम कमाई तय करने का सुझाव दिया गया है, जिसमें वेटिंग अवधि का मुआवजा भी शामिल हो। गिग कर्मियों की संख्या 2029-30 तक कुल श्रमबल 6.7% हो जाएगी। 80 करोड़ से अधिक कर्मचारी स्मार्टफोन चलाते हैं और हर माह 15 अरब यूपीआई लेनदेन करते हैं।

कौशल विकास: स्कूल छोड़ने वालों की घटेगी संख्या, 13 फीसदी बढ़ेगा रोजगार देश के विद्यालयों में युवाओं को बाजार के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण दिया जा सकता है। विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में जहां प्रशिक्षित युवाओं में से आधे से अधिक कार्यरत हैं। शिक्षा को आर्थिक अवसरों से जोड़ा जाए तो स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आएगी। 15 से 29 साल वाले युवाओं में केवल 4.9 फीसदी को ही औपचारिक व्यावसायिक या तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त है। 21.2 फीसदी ने अनौपचारिक स्रोतों से प्रशिक्षण लिया है। इसलिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कवरेज को बढ़ाने की जरूरत है।

एमएसएमई: 8.1 लाख करोड़ का लंबित भुगतान बड़ी चुनौती

करीब 8.1 लाख करोड़ रुपये के विलंबित भुगतान देश के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को बाधित कर रहे हैं। ये कार्यशील पूंजी को प्रभावित कर रहे हैं।

तीन दिन की तेजी के बाद शेयर बाजार धड़ाम
सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ बंद

केंद्रीय बजट के पहले घरेलू बाजार अस्थिर

केंद्रीय बजट से पहले भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बने रहे, आईटी और धातु शेयरों में कमजोरी के कारण बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट आई। वैश्विक विकास संबंधी चिंताओं और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के कारण आईटी क्षेत्र पिछड़ गया, जबकि मजबूत डॉलर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई।

एफआईआई की बिकवाली जारी रही

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि लगातार एफआईआई (वित्तीय निवेशक) की बिकवाली और रुपये के लगातार अवमूल्यन ने बाजार के माहौल को सतर्क बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा कि भू-राजनीतिक जोखिमों और वैश्विक टैरिफ दबावों में वृद्धि के साथ, विकास को समर्थन देने और राजकोषीय अनुशासन पर संकेत मिलने के लिए केंद्रीय बजट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

सरकार द्वारा गुरुवार को जारी बजट-पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.8-7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जो व्यापार जोखिमों और वैश्विक अस्थिरता के बावजूद देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करता है।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.59 अंक गिरकर 82,269.78 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 98.25 अंक गिरकर 25,320.65 अंक पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को तीन दिन की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। यह तेजी धातु, आईटी शेयरों और 1 फरवरी को बजट पेश होने से पहले बरती जा रही सतर्कता के कारण जारी रही। विदेशी निधियों की नई निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी शेयर बाजारों में मंदी के रुझान को और बढ़ा दिया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.59 अंक या 0.36 प्रतिशत गिरकर 82,269.78 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 625.34 अंक या 0.75 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,941.03 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 98.25 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 25,320.65 पर बंद हुआ।

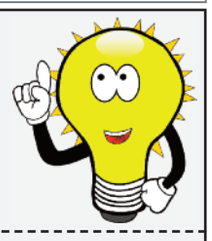

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल: सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक भी गिरावट दर्ज करने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईटीसी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त: एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

पतलू - भाई कहां जा रहे हो?
चंटू - यार, सुना है सोने में भारी गिरावट आई है, तो सोने जा रहा हूं।
पतलू - तुझसे ऐसा किसने कहा?
चंटू - अरे कल ही न्यूज में सुना, सोने में काफी गिरावट आई है पहले लोग 6 घंटे सोते थे अब मोबाइल फोन के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

पत्नी- चलो आज एक गेम खेलते हैं।
पति- ठीक है।
पत्नी- जब मैं कलर का नाम लूं, तो तुम बाईं दीवार को हाथ लगाना और फल का नाम लूं, तो दाहिनी दीवार को हाथ लगाना।
पत्नी- जो हारेगा वो जीतने वाले की हर बात मानेगा और वो भी जिंदगी भर।
पत्नी- ठीक है तो शुरू करते हैं... 'ऑरेंज'
अब पति बेचारा तीन दिन से सोच में पड़ा हुआ है कि पत्नी कलर बोली या फल!

31 01 2026 करंट क्राइम
आज के जन्मदिन

सूचना: आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email: currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेगा भारत

- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच 31 जनवरी यानी शनिवार को खेला जाएगा।
- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।
- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मैच शाम 7:00 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम 6:30 बजे होगा।

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम टी20 विश्व कप से पहले अपने आखिरी मुकाबले में शनिवार को न्यूजीलैंड का सामना करेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का पांचवां टी20 मैच तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। सात फरवरी से टी20 विश्व कप की शुरूआत हो रही है, ऐसे में दोनों टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने उतरेंगी। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय संजू सैमसन की खराब फॉर्म है।

सीरीज जीत से भारत का बढ़ेगा आत्मविश्वास

पांचवें टी20 के दौरान उम्मीद रहेगी कि संजू सैमसन अपने घरेलू दर्शकों के सामने फॉर्म में वापसी करने और अक्षर पटेल फिटनेस हासिल करने में सफल रहेंगे। सैमसन अब अपने गृह नगर में खेलेंगे और यहां के अपने समर्थकों के सामने शायद वह अपनी खोई हुई लय को फिर से प्राप्त कर लें। भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा और वह उससे पहले यहां जीत हासिल करना चाहेगा। इस तरह से देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से शैली, ताकत और गहराई से भरपूर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

न्यूजीलैंड को गेंदबाजी में करना होगा सुधार

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम पहले तीन मैचों में भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आई, लेकिन विशाखापत्तनम में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कामयाबी हासिल की।

अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे। अब उन्हें पता चल गया है कि यह भारतीय टीम अजेय नहीं है और 3-2 का अंतर उन्हें आगामी बड़े मुकाबलों से पहले मानसिक रूप से मजबूत कर सकता है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को काफी मजबूती मिली है।

न्यूजीलैंड की टीम हालांकि गेंदबाजी में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन टीम में शामिल है लेकिन वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

तिरुवनंतपुरम में भारत का रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में ढेरों रन बनते रहे हैं। भारत ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है।

पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्कारेज

ज्वेरेव को कड़े मुकाबले में दी मात

मेलबर्न। कार्लोस अल्कारेज और एलेक्सजेंडर ज्वेरेव के बीच ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष एकल वर्ग का मुकाबला खेला गया। दोनों के बीच ये मैच काफी रोमांचक रहा और अंत में अल्कारेज फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

स्पेन के कार्लेस अल्कारेज वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। अल्कारेज ने पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी के एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों में हराया। अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच यह मुकाबला पांच घंटे 27 मिनट तक चला जिसमें आखिरकार स्पेन का यह खिलाड़ी जीत दर्ज करने में सफल रहा। अल्कारेज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 (4), 7-5 के अंतर से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। अल्कारेज और ज्वेरेव के बीच शुरू से ही यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अल्कारेज ने जहां पहले दो सेट जीतकर मैच में बढ़त ले ली थी तो वहीं ज्वेरेव ने टाई ब्रेकर में जाकर अगले दो सेट अपने नाम किए जिससे मैच का निर्णय पांचवें सेट में जाकर हुआ। निर्णायक सेट ज्वेरेव ने शुरूआती दो गेम जीते, लेकिन तीसरा गेम अपने नाम किया। ज्वेरेव ने भी हालांकि हार नहीं मानी और चौथा गेम जीतने में सफल रहे। इसके बाद अल्कारेज ने 10वें गेम में जाकर स्कोर 5-5 से बराबर किया और फिर उन्होंने ज्वेरेव को कोई मौका नहीं देते हुए अगले दो गेम जीते और पांचवां सेट जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

पाकिस्तानी अंपायर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाबर को बचाने के लिए नियम ही बदल डाले

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 168 रन बनाए। अयूब ने 22 गेंद में 40 रन और आगा ने 27 गेंद में 39 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैम्पा ने चार विकेट झटके। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी।

लाहौर। राजनीति हो या क्रिकेट का मैदान, पाकिस्तान अपनी किरकिरी करवाने से कहीं बाज नहीं आता। टी20 विश्व कप 2026 से पहले आईसीसी ने अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना मजाक बनवाया है। दरअसल, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया।

इस मैच के थर्ड अंपायर पाकिस्तान के नासिर हुसैन ने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को हंसने पर मजबूर कर दिया। बाबर आजम को बचाने के चक्कर में नासिर ने नियम ही बदल डाले। बाद में जब कमेंटेटर और बाकी हंसने लगे तो नासिर को एहसास हुआ कि वह गलत फैसला ले रहे हैं और फिर उन्होंने फील्ड अंपायर से फैसला बदलने को कहा। नासिर ने नियम की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और पाकिस्तान का मजाक बनवाया, सो अलग।

पाकिस्तान की पारी के दौरान की घटना: दरअसल, पहले टी20 में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। टीम ने एक वक्त तीन विकेट पर 123 रन बना लिए थे। साहिबजादा फरहान (0), सैम अयूब (40) और कप्तान सलमान आगा (39) पवेलियन लौट चुके थे। पाकिस्तानी पारी के 14वें ओवर में लेग स्पिनर एडम जैम्पा गेंदबाजी के लिए आए। उस वक्त क्रीज पर बाबर आजम और फखर जमां थे। ओवर की पांचवीं गेंद पर जैम्पा ने गुगली फेंकी। इस पर रिवर्स स्वीप के प्रयास में गेंद जाकर बाबर के पैर पर लगी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने अपील की और फील्ड अंपायर एहसान रजा ने नॉटआउट करार दिया। इसके बाद इस मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तानी कर रहे ट्रेविस हेड ने रिव्यू लिया।

चौथे अंपायर ने तीसरे अंपायर को समझाया: ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कुछ समझ नहीं पाए और घबराहट में दौड़ते हुए एहसान रजा के पास पहुंचे। तभी चौथे अंपायर ने नासिर से कहा कि फील्ड अंपायर से फैसला बदलने को कहिये।

तब नासिर को फिर से अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने फील्ड अंपायर एहसान रजा को कहा- अपना फैसला बदलें और बाबर को आउट दें। फिर एहसान रजा ने बाबर को आउट करार दिया। इस भारी कन्फ्यूजन पर एहसान भी हंस पड़े। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी खूब हंसी आई।

इसके बाद कमेंटेटर वसीम अकरम नासिर हुसैन के बचाव में बयान देते दिखे। हालांकि, तब तक नासिर की किरकिरी हो चुकी थी। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो चुका है और फैंस पाकिस्तान का जमकर मजाक बना रहे हैं।

बांग्लादेश-पाकिस्तान के ड्रामे पर सुरेश रैना का करारा वार!

नकवी की गीदड़भभकी पर बोले- आईसीसी छोड़ेगा नहीं

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बहिष्कार विवाद पर सुरेश रैना ने बांग्लादेश को जिम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। रैना ने कहा कि भारत में सुरक्षा पूरी थी और टूर्नामेंट से दूर रहने पर आईसीसी सख्त कार्रवाई कर सकता है। उनके मुताबिक, भारत में न खेलना क्रिकेटिंग, सांस्कृतिक और व्यावसायिक, तीनों स्तरों पर बड़ा नुकसान है।

टी20 विश्व कप 2026 को बहिष्कार करने की पाकिस्तान की गीदड़भभकियों पर भारत के पूर्व स्टार और विश्व कप विजेता क्रिकेटर सुरेश रैना ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रैना ने इस पूरे संकट के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (इउइ) को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि टूर्नामेंट से दूर रहने की सोच उन्हें काफी महंगी पड़ सकती है।

आईसीसी का फैसला: विवाद तब भड़का जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। इसके बाद बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत आने से इनकार कर दिया। आईसीसी ने उनकी मांग खारिज की और अंततः बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। रैना ने सुरक्षा दावों को सिरे से नकारते हुए कहा कि भारत में सभी इंतजाम मौजूद थे। रैना ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा, 'भारत में सुरक्षा पूरी थी, सब कुछ मौजूद था। जो बांग्लादेश के साथ हुआ, उसमें गलती उन्हीं की है।'

'भारत आते तो बहुत कुछ मिलता'

रैना का मानना है कि बांग्लादेश ने क्रिकेटिंग नजरिए से भी बड़ा नुकसान किया। उन्होंने कहा, 'अगर बांग्लादेश भारत आता तो तस्वीर अलग होती। उनकी टीम बहुत मजबूत है, खासकर स्पिनर्स यहां की परिस्थितियों को अच्छी तरह जानते हैं। वे बहुत कुछ खो देंगे।' अपने अनुभव साझा करते हुए रैना ने 2011 वनडे वर्ल्ड कप और 2016 टी20 वर्ल्ड कप का जिक्र किया और भारत के माहौल को त्योहार बताया। रैना ने कहा, 'भारत में वर्ल्ड कप खेलना किसी त्योहार से कम नहीं होता। हर टीम को इसका हिस्सा बनना चाहिए।'

मोहसिन नकवी को सीधी चेतावनी: पाकिस्तान द्वारा एकजुटता बहिष्कार या भारत के खिलाफ मैच न खेलने की अटकलों के बीच रैना ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को साफ संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'आईसीसी चेयरमैन पहले ही साफ कह चुके हैं- जो टीमें भारत नहीं आएंगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।'

पद्मनाभस्वामी मंदिर पहुंचकर टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप के लिए की पूजा-अर्चना

तिरुवनंतपुरम। भारतीय टीम ने शनिवार को खेले जाने वाले आखिरी टी20 मैच से पहले तिरुवनंतपुरम स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। इससे पहले सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन किए और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पूजा-अर्चना की।

सैमसन पर रहेंगी नजरें

टी20 विश्व कप से पहले यह भारतीय टीम का आखिरी टी20 मैच है। इसके बाद टीम इंडिया सात फरवरी से श्रीलंका के साथ विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करेगी। पांच मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में सभी की नजरें सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर रहेंगी।

सैमसन इस सीरीज में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि अब वह अपने होम ग्राउंड पर खेलने उतरेंगे। भारत पहले ही सीरीज में 3-1 से आगे चल रहा है, ऐसे में उसकी कोशिश इस मैच से संयोजन और विश्व कप से पहले तैयारियां परखने की होगी।

बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना कम

विश्व कप को देखते हुए भारत का संयोजन लगभग तय है और टीम प्रबंधन बस बेंच स्ट्रेंथ को परख रहा है। इस बात की संभावना कम है कि बल्लेबाजी विभाग में बदलाव होगा।

बस यह देखना होगा कि पिछले मैच में चोट के कारण बाहर रहे ईशान किशन वापसी करेंगे या नहीं। वहीं, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे भी लय में रहना चाहेंगे क्योंकि भारतीय टीम के लिए आने वाले दिन काफी महत्वपूर्ण हैं। ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी नागपुर में खेले गए पहले टी20 मैच में अंगुली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने विशाखापत्तनम में खेले गए चौथे मैच से पहले नेट पर गेंदबाजी की थी।

टी-20 विश्वकप के अब तक 9 संस्करण...8 कप्तान बने चैंपियन

नई दिल्ली। 2026 टी20 विश्व कप इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। इससे पहले नौ संस्करणों में आठ कप्तानों ने अपनी-अपनी टीमों को चैंपियन बनाया। इनमें सबसे कामयाब कप्तान डैरेन सैमी हैं। आइए देखते हैं कि बाकी कप्तानों का क्या हाल रहा है।

टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस आठ दिन बचे हैं। इससे पहले आईसीसी और बांग्लादेश के बीच विवाद ने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब जब बांग्लादेश बाहर हो चुका है और उसकी जगह आईसीसी ने स्कॉटलैंड को शामिल किया है, लिटन दास अपनी टीम को पहला टी20 खिताब दिलाने से वंचित रह गए। वहीं, पाकिस्तान भी बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी दे रहा है।

1. एमएस धोनी

टी-20 विश्व कप के पहले संस्करण में भारतीय टीम ने एमएस धोनी के नेतृत्व में खिताब जीता था। टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था और खिताब पर कब्जा जमाया था। धोनी के नाम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का भी रिकॉर्ड है।

2. यूनिस खान

2009 में पाकिस्तान ने यूनिस खान की कप्तानी में खिताब जीता। फाइनल में पाकिस्तान ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया था। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान कभी टी20 विश्व कप नहीं जीत सका। यूनिस की कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में सात मैच खेले और पांच में जीत हासिल की।

3. पॉल कॉलिंगवुड

2010 में इंग्लैंड ने पॉल कॉलिंगवुड की कप्तानी में खिताब पर कब्जा जमाया था। फाइनल में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया था। हालांकि, कॉलिंगवुड का बतौर कप्तान टी20 विश्व कप में मैच जीतने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है।

4. डैरेन सैमी

टी20 विश्व कप इतिहास के सबसे सफल कप्तान (खिताब के मायनों में) सैमी ने 2012 में वेस्टइंडीज को पहली पर इस प्रारूप का चैंपियन बनाया था। क्रिस गेल, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन से सजी टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 36 रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

5. लसिथ मलिंगा

2014 में लसिथ मलिंगा और श्रीलंका का साथ किस्मत ने खूब दिया था। टीम फाइनल में भारत को हराकर चैंपियन बनी थी। दरअसल, नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल को स्लो ओवर रेट की वजह से एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। ऐसे में फाइनल में मलिंगा कप्तान रहे और टीम चैंपियन बनी। मलिंगा उसके बाद किसी टी20 विश्व कप में श्रीलंका के कप्तान नहीं बने।

6. एरॉन फिंच

2016 के पांच साल बाद टी20 विश्व कप खेला गया था। 2021 में एरॉन फिंच की कप्तानी में दुबई में ऑस्ट्रेलियाई टीम न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर चैंपियन बनी थी। यह ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र टी20 विश्व कप का खिताब है। दो में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

7. जोस बटलर

साल 2022 में जोस बटलर इंग्लैंड के लिए किस्मत लेकर आए। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। फाइनल में बेन स्टोक्स ने बेहतरीन पारी खेली थी। हालांकि, बटलर ने इसके बाद 2024 टी20 विश्व कप में भी कप्तानी की, लेकिन टीम सेमीफाइनल में भारत से हारकर बाहर हो गई।

8. रोहित शर्मा

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीतकर आखिरकार 11 साल के आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म किया था। भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। इस जीत के बाद ही रोहित, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। रोहित की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप में कुल 14 मैच खेले और 12 में जीत हासिल की।

सिर्फ दो मैच टीम इंडिया उनकी कप्तानी में हारी है। ये दोनों मैच 2022 टी20 विश्व कप में थे, क्योंकि 2024 में भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही थी।

सबालेंका और रयबाकिना में किसका पलड़ा भारी

मजबूत मानसिकता और दृढ़ संकल्प के बीच टक्कर

मेलबर्न। सबालेंका और रयबाकिना ने फाइनल तक पहुंचने के लिए अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। 2008 के बाद और इस ग्रैंडस्लैम से पहले किसी ग्रैंड स्लैम में ऐसा नहीं हुआ था। सबालेंका ने अब तक चार ग्रैंड स्लैम जीते हैं, जबकि रयबाकिना ने एक ग्रैंड स्लैम जीता है।

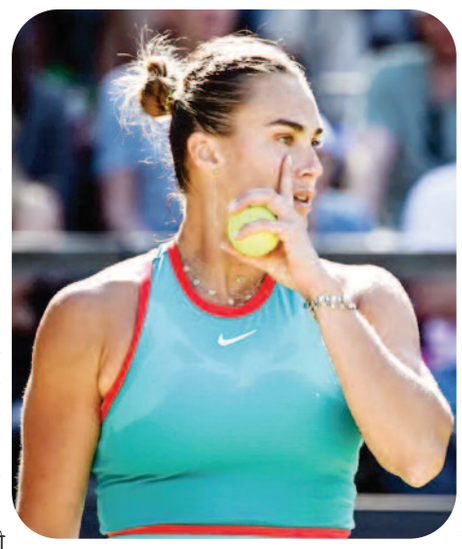

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका शनिवार को यहां जब ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में एलिना रयबाकिना का सामना करने के लिए कोर्ट पर उतरेगी तो वह 2023 की अपनी सफलता के बजाय पिछले साल विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल में मिली हार के सबक से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी।

दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकीं सबालेंका

यह उन तीन अन्य ग्रैंड स्लैम फाइनल जैसा भी नहीं होगा जो सबालेंका ने जीते हैं, जिनमें यूएस ओपन में हाल ही में जीता गया फाइनल भी शामिल है। सबालेंका 2025 में पांच टूर्नामेंट के फाइनल में हार गई थी और वह उनसे मिली सीख को अपना मजबूत पक्ष बनाना चाहती है। सबालेंका ने कहा, 'मैं जानती हूं कि उन सभी फाइनल मैच में क्या गलती हुई थी जिनमें मैं हारी। पिछले साल मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, खुद के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और इस सत्र में ऐसा दोबारा नहीं होगा।' सबालेंका अब तक दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी हैं। उन्होंने 2023 और 2024 में खिताब जीता था। वहीं, कुल मिलाकर वह चार ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। उनके नाम 2024 और 2025 में दो यूएस ओपन खिताब भी हैं।

पिछले साल फाइनल में कीज ने हराया था: सबालेंका को पिछले साल फाइनल में मिली हार की सूची में नवंबर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का निर्णायक मुकाबला भी शामिल है, जब वह रयबाकिना से तीन सेटों में हार गई थीं, जिन्होंने पुरस्कार राशि के रूप में रिकॉर्ड 5.2 मिलियन डॉलर जीते थे। पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मैडिसन कीज ने सबालेंका को हराकर मेलबर्न पार्क में उनकी 20 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया था। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें कोको गॉफ से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। सबालेंका अब एक नई और मजबूत मानसिकता के साथ किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना के खिलाफ जीत में यह कर दिखाया, जब चौथे गेम में चेयर अंपायर ने उन्हें बाधा डालने के लिए फाउल दिया।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी!: '170 बनाकर 20 रन की जीत पर इतना जश्न

आकाश चोपड़ा का PM शहबाज शरीफ को करारा जवाब

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में जीत के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत के पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने तीखा जवाब दिया। चोपड़ा ने जीत को जरूरत से ज्यादा महिमामंडित करने पर सवाल उठाते हुए याद दिलाया कि ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में अपनी बी टीम के साथ खेल रहा है। वर्ल्ड कप से पहले यह वाकया एक बार फिर दिखाता है कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट की जंग मैदान के बाहर भी उतनी ही तेज है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरूआत से ठीक पहले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट की तनातनी एक बार फिर सोशल मीडिया पर खुलकर सामने आ गई। इस बार विवाद की वजह बने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनकी एक पोस्ट पर भारत के पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा ने तीखा और बेबाक जवाब दिया।

जीत के बाद शहबाज शरीफ का जोशीला संदेश

पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराया। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर टीम के साथ-साथ पीसीबी नेतृत्व की भी जमकर तारीफ की। प्रधानमंत्री ने लिखा, 'पहले टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम पाकिस्तान को बधाई। मैं पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और उनकी टीम के अथक प्रयासों की भी सराहना करता हूं। यह पूरे देश के लिए गर्व का पल है।'

आकाश चोपड़ा का सम्मान के साथ जवाब

शहबाज शरीफ की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में रहा आकाश चोपड़ा का जवाब। अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर चोपड़ा ने जीत को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने पर सवाल उठाए। आकाश चोपड़ा ने जवाब में लिखा, 'पूरे सम्मान के साथ यह ऑस्ट्रेलिया की बी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 मैच था। उनके कई प्रमुख खिलाड़ी इस दौरे पर आए ही नहीं। 170 रन के मैच में 20+ रन की जीत को इलेक्ट्रिफाइंग कहना ठीक नहीं है।'

विधानसभा निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 :

31 जनवरी को विशेष अभियान दिवस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अपर जिलाधिकारी (वि० रा०) / उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने की अवधि 06 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

आयोग के निदेर्शानुसार 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक सभी मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सभी बूथों पर संबंधित बीएलओ समय से उपस्थित रहकर आलेख्य मतदाता सूची का पठन करेंगे। साथ ही गणना चरण के दौरान अनुपस्थित, मृतक, दोहरी प्रविष्टि, अप्राप्य (अन्ट्रेस्ड) तथा स्थानांतरित मतदाताओं की सूची भी पढ़कर सुनाई जाएगी। विशेष अभियान दिवस के दौरान बूथों पर मतदाता पंजीकरण से संबंधित प्रारूप-6, 7 एवं 8 तथा घोषणा पत्र उपलब्ध रहेंगे। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण करने वाले ऐसे अर्ह व्यक्ति, जिनके नाम अभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे नाम सम्मिलित कराने हेतु प्रारूप-6 (घोषणा पत्र सहित) प्रस्तुत कर सकते हैं। मतदाता सूची से नाम अपमार्जित (हटवाने) के लिए प्रारूप-7 तथा मतदाता सूची में किसी प्रविष्टि के शुद्धिकरण, स्थानांतरण एवं दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन के लिए प्रारूप-8 (घोषणा पत्र सहित) पर दावे एवं आपत्तियाँ मतदेय स्थल पर उपस्थित बीएलओ अथवा पदाभिहित अधिकारी को दी जा सकती हैं।

समस्त पर्यवेक्षणीय अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे तथा अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराएंगे।

31 को शिविर लगाएगा मत्सय विभाग

नोएडा। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के लिए आवेदन करने के लिए 31 जनवरी को जिले में आवेदन शिविर लगेंगे। शिविर में ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। मत्स्य निरीक्षक हरी शंकर त्रिपाठी ने बताया कि योजना के तहत मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड जारचा, दादरी, ताजपुर, बिसाहड़ा में 10 बजे ऑनलाइन पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में मत्स्य गतिविधियों से जुडे हुए सभी व्यक्ति जैसे मछली, निजी मत्स्य पालक, पट्टेधारक, नाविक, विभाग की योजनाओं से लाभार्थी, समितियों के सदस्य आवेदन कर सकेंगे।

श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय सचिव अशोक सूरी शुक्रवार को नोएडा पहुंचे। यहां उन्होंने विधायक विनय वर्मा की माता स्वर्गीय राजमति देवी के निधन पर शोक प्रकट किया। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ की ओर से विनय वर्मा की माता स्वर्गीय राजमति देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।

स्वर्गीय शारदा रानी साधना के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे गणमान्य

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश साधना की धर्मपत्नी शारदा रानी साधना का विगत दिनों निधन हो गया था। शुक्रवार को उनके निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सुनील शर्मा, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, दैनिक करंट क्राइम के समाचार सम्पादक दीपक भाटी पहुंचे। सभी ने स्वर्गीय शारदा रानी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

जीडीए ने इंदिरापुरम क्षेत्र में प्राधिकरण के आवंटित भूखण्डों को कराया अतिक्रमण मुक्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण एवं अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने के क्रम में आज दिनांक 30.01.2026 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-06 के नेतृत्व में इंदिरापुरम क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूखण्डों पर अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान यह पाया गया कि इंदिरापुरम क्षेत्र स्थित प्राधिकरण के आवंटित भूखण्ड संख्या एस.के.-03/552ए, 698 तथा ए.के.-1/सी-01 एवं सी-02 पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से झुग्गी-झोपड़ियाँ डालकर कब्जा किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा पुलिस बल के सहयोग से त्वरित एवं संयुक्त अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान समस्त अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए उक्त भूखण्डों को पूर्ण रूप से कब्जामुक्त कराया गया। यह संपूर्ण कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न की गई, जिसमें किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। अतिक्रमण हटाने के उपरांत सभी भूखण्डों को सुरक्षित कर दिया गया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्राधिकरण की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा अथवा अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। भविष्य में भी इस प्रकार के मामलों में सख्त एवं निरंतर कार्रवाई की जाती रहेगी।

वांछित चल रहा हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

लोनी। लोनी पुलिस ने जान लेवा हमले के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है आरोपी ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पीड़ित को तीन माह पूर्व जान से मारने की नियत से मारपीट की थी। पीड़ित ने लोनी थाने में चार हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन हमलावर कमल धामा पुत्र ज्ञानचंद निवासी बागराणप लोनी फरार चल रहा था एसीपी सिधार्थ गौतम ने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला शख्स का शव

हापुड़। हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में एक शख्स का शव गांव के आम बाग में पेड़ पर लटका मिला। परिजनों ने पड़ोसियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए शव सड़क पर रख जाम लगा दिया। पुलिस ने फोरेंसिक टीम से साक्ष्य जुटाए, शव पर चोट के निशान नहीं मिले और सभी पहलुओं पर जांच जारी है। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के शाहपुर जट्ट गांव निवासी धर्मपाल 47 वर्ष का शव गांव उपेडा में पुराने हाइवे 9 के पास बाग में संदिग्ध परिस्थितियों में बृहस्पतिवार सुबह लटका मिला। दोपहर बाद परिजनों ने

सड़क पर डेड बॉडी रख लगाया जाम

शव को थाने के बाहर पुराने हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया। पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास कर रही थी।

सुबह शव के पेड़ पर लटके होने की सूचना के बाद बाबूगढ़ थाना प्रभारी मुनीश प्रताप सिंह ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए थे। मृतक के पास से मृतक का मोबाइल फोन ओर अन्य कागज मिले जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

भूगर्भ जल संरक्षण को लेकर नगर निगम की पहल

कॉलेज विद्यार्थियों को कराया टीएसटीपी प्लांट का भ्रमण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भूगर्भ जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कॉलेज के छात्र-छात्राओं को निगम के चल रहे प्रोजेक्ट्स का भ्रमण कराया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशन में शुरू की गई इस पहल के तहत पहले दिन आईएमएस कॉलेज के एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के 50 विद्यार्थियों को इंदिरापुरम स्थित 40 एमएलडी टीएसटीपी प्लांट का भ्रमण कराया गया। इस दौरान निगम की एक्सपर्ट टीम एवं प्रोजेक्ट हेड इंजीनियर तरुण राज द्वारा विद्यार्थियों को सीवर जल शोधन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। बताया गया कि आरओ और अल्ट्रा फिल्ट्रेशन तकनीक के माध्यम से पानी को शुद्ध कर दोबारा उपयोग योग्य बनाया जाता है, जिससे भूगर्भ जल संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में इस जल का उपयोग साहिबाबाद की औद्योगिक इकाइयों में किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों को निगम के प्रोजेक्ट्स से जोड़ने का उद्देश्य उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे समाज में भी इस संदेश को आगे पहुंचा सकें। टीएसटीपी भ्रमण के बाद विद्यार्थियों ने निगम की पहल की सराहना की और भूगर्भ जल संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

युवती को आत्महत्या करने के लिए दुष प्रेरित करने वाला प्रोपटी डीलर गिरफ्तार

लोनी, करंट क्राइम। लोनी के थाना अंकुर विहार पुलिस ने युवती को आत्महत्या करने के लिए दुष प्रेरित करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि आशी गौतम 28 वर्ष ने 28 जनवरी को आत्महत्या कर ली जिसकी सूचना उसके चाचा ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था मृतिका के चाचा ने प्रोपटी डीलर धीरज कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी अंकुर विहार केशव काम्प्लेक्स एलएफ के विरूद्व रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें उल्लेख किया गया है कि आशी धीरज के प्रोपटी आफिस पर 5 वर्ष से काम कर रही थी। धीरज ने ही उसे आत्महत्या करने के लिए दुष प्रेरित किया जिससे उसकी प्रताडना से उतपीडित होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

पुलिस टीम धीरज को गिरफ़्तार करने के लिए दविश दे रही थी कि शुक्रवार को महाकाल मन्दिर के पास से धर दबोचा। बताया जा रहा है कि आशी अपनी दो बहने व मां के साथ रेल विहार में किराए के मकान में रहती थी तथा अकेली कमाने वाली थी। पुलिस ने धीरज को जेल भेज दिया है।

कमाल कर रही है दो थ्री-स्टारों की जुगलबंदी

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बड़ी संख्या में थ्री-स्टार हैं। उनकी दोस्ती के चर्चे होते रहे हैं, तो कुछ की जुगलबंदी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में न सिर्फ क्राइम कंट्रोल का काम कर रही है, बल्कि पूरी तरह हिट भी बनी हुई है। सूत्र बता रहे हैं कि सिटी जोन में दो थ्री-स्टार की जोड़ी इन दिनों क्राइम कंट्रोल में नंबर वन चल रही है। एक बड़े-बड़े अभियान और बड़े-बड़े टास्क ले रहे हैं। तो दूसरे थाने के हर मामले में आरोपी को जेल तक भेजने का काम कर रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि इन दिनों थ्री-स्टार की मौजूदगी में अब तक कई हाफ एनकाउंटर तो कई महत्वपूर्ण खुलासे हो चुके हैं। दोनों की दोस्ती पुलिस की फर्द से लेकर अंडर द रूम तक बताई जा रही है। बताया जा रहा है दोनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में थोड़ी ही दूरी पर कार्यालय में मौजूद है लेकिन दोनों के बीच अंडरस्टैंडिंग की चर्चा इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के कई अधिकारियों के बीच हो रही है। उधर पुलिस के सूत्र बताते हैं दोनों ही थ्री-स्टारों को महत्वपूर्ण स्थान पर पोस्टिंग देने का काम भी साहब ने सोच समझकर किया है। तो वह साहब की टीम के रूप में बेहतर काम को अंजाम देने का भी काम कर रहे हैं। एक का लिंक पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सबसे पुराने पुलिस ऑफिस से बताया जाता है। तो दूसरे वालों का लिंक इन दिनों पुल के बराबर वाले थाने से जुड़ा हुआ है। अब तक न सिर्फ कई हाफ एनकाउंटर किए गए हैं बल्कि क्राइम कंट्रोल को लेकर भी दोनों ने खुलासे और आरोपियों को जेल पहुंचाने का काम करते रहते हैं। बीते दिनों एक के बाद एक कई महत्वपूर्ण घटनाओं का ना सिर्फ खुलासा किया गया है बल्कि क्राइम कंट्रोल को लेकर भी लगातार फाइटिंग जारी है। वैसे तो दोनों एक ही बैच के हैं और दोनों की दोस्ती की चर्चा पुलिस वालों के बीच भी अक्सर सुनाई दे जाती है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि वैसे तो देहात वाले जोन में भी कई दोस्त हैं, पर उनकी दोस्ती इन दिनों खुलकर नजर नहीं आ रही है। इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि जल्द ही फरवरी वाले महीने में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में तीन थानों के प्रभारियों के फेस बदलने की रेस शुरू हो सकती है। बीते दिनों इस पर कुछ मंथन और चर्चा भी सुनाई दी थी। अब देखना होगा कि फरवरी वाले महीने में किसका आदेश आता है और किसको अभी वेट वाला ऑफर सुनाया जाता है। कुल मिलाकर अभी भी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद से लेकर लखनऊ तक के अधिकारियों को बड़ी वाली लिस्ट का वेट बताया जा रहा है।

झूठी पहचान बताकर समाज में तनाव फैलाने का आरोप

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अखिल भारतीय जाट महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण चौधरी भुल्लन के नेतृत्व में सोमवार को थाना सिहानी गेट प्रभारी को एक तहरीर सौंपी गई।

तहरीर में आरोप लगाया गया कि दिनांक 27 जनवरी को जनपद हापुड़ में दीपक नाम के व्यक्ति और उसकी माता के साथ कथित तौर पर दलित समाज के कुछ लोगों द्वारा अभद्रता की गई, जिसमें जूते की माला पहनाने और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने नाक रगड़वाने की बात कही गई थी। अरुण चौधरी भुल्लन ने बताया कि दीपक ने स्वयं को जाट समाज का बताकर थाने में तहरीर दी और सोशल मीडिया पर भी जाट समाज से मदद की अपील की, जिससे समाज में आक्रोश फैल गया। बाद में जांच में दीपक का प्रजापति समाज से होना सामने आया।

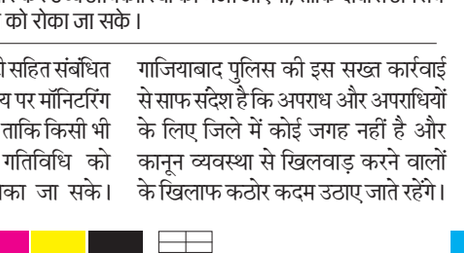

दीपक प्रजापति पर सख्त कार्रवाई की मांग :

जाट महासभा ने इसे जाट समाज की सामूहिक छवि धूमिल करने, दो समुदायों के बीच तनाव व अशांति पैदा करने और झूठी साजिश रचने का प्रयास बताया। इसी के विरोध में दीपक प्रजापति के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरुण चौधरी भुल्लन के साथ महानगर अध्यक्ष सुधीर चौधरी बाहुबली, मुनींद्र बिल्ला, रविंद्र चौधरी, सनी चौधरी, अमित चौधरी, गोपाल और गौरव मौजूद रहे।

बिगड़ गया 'मुंडा' तो पुलिस ने माना 'गुंडा'

सिटी जोन में 10 शातिरों पर लगी गुंडा एक्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम लागू होने के बाद गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर सिटी जोन के विभिन्न थानाक्षेत्रों में रहने वाले 10 शातिर अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन अपराधियों की गतिविधियों पर सिटी जोन पुलिस लगातार निगरानी रखेगी। डीसीपी सिटी सहित संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर मॉनिटरिंग करने के आदेश दिए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को शुरूआती स्तर पर ही रोका जा सके। गाजियाबाद पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से साफ संदेश है कि अपराध और अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाते रहेंगे।

गुंडा एक्ट के तहत इनपर की गई कार्रवाई

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के अंतर्गत सिटी जोन पुलिस द्वारा जिन अपराधियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है, उनमें थाना नंदग्राम : विशाल उर्फ विशु डागर, मनीष थाना सिहानी गेट : शिवम, गौरव गुप्ता उर्फ पल्सर, लक्ष्य उर्फ शानू उर्फ सोनू, थाना कविनगर : विशाल उर्फ नेता, थाना मधुबन बापूधाम : रोहित उर्फ रोहन, थाना विजयनगर : सोनू उर्फ सुहेल, अमरजीत के नाम शामिल हैं।

हर 30 दिन में जाएगी रिपोर्ट

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बताया कि जिन अपराधियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है, उन पर बीट पुलिस अधिकारी विशेष नजर रखेंगे। इनकी गतिविधियों की हर 30 दिन में रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी, ताकि दोबारा अपराध करने की किसी भी कोशिश को रोका जा सके।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल का एक अंदाज है कि वह हमेशा अपनों से जुड़कर चलते हैं। कार्यक्रम सामाजिक हो धार्मिक हो पारिवारिक हो अगर कार्यक्रम में उनके अपने हैं तो फिर पूर्व राज्यसभा सांसद डॉक्टर अनिल अग्रवाल वहां जरूर पहुंचते हैं। घंटाघर रामलीला मैदान में आयोजित खाटू श्याम जी के कीर्तन में पहुंचे और इस पल को उन्होंने फेसबुक पर साझा किया। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अमेरिका ने चीन से निपटने के लिए पैक्स सिलिका संगठन में शामिल होने का भारत को दिया न्यौता

वॉशिंगटन। चीन के बढ़ते तकनीकी प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने का न्योता मिला है। फरवरी 2026 में भारत इस महत्वपूर्ण रणनीतिक समूह का हिस्सा बनेगा। इसका मुख्य उद्देश्य एआई और सेमीकंडक्टर की सप्लाई चेन को सुरक्षित करना और चीन पर तकनीकी निर्भरता को खत्म करना है।

अमेरिका अब अपनी तकनीकी सप्लाई चेन के लिए पूरी तरह चीन पर निर्भर नहीं रहना चाहता। इसके लिए दुनिया की महाशक्ति अमेरिका को चीन के बढ़ते तकनीकी ताकत से निपटने के लिए एक बार फिर भारत की याद आई है। अमेरिकी विदेश उप सचिव (आर्थिक मामलों के) जैकब हेलबर्ग ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि भारत फरवरी 2026 में पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होगा। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का इस समूह में आना एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

क्या है पैक्स सिलिका का उद्देश्य?

पैक्स सिलिका अमेरिका के नेतृत्व वाली एक ऐसी रणनीतिक पहल है, जिसे दिसंबर 2025 में शुरू किया गया था। इसका मुख्य मकसद वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर की सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना है। अमेरिका चाहता है कि आधुनिक तकनीक केवल भरोसेमंद लोकतांत्रिक देशों के पास ही रहे और चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम हो सके। इस गठबंधन में अमेरिका के साथ जापान, दक्षिण कोरिया, इजरायल, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और ब्रिटेन जैसे देश पहले से ही शामिल हैं। हाल ही में कतर और संयुक्त अरब अमीरात भी इसके सदस्य बने हैं।

समूह में भारत के आने से होगा ये लाभ

जैकब हेलबर्ग ने जोर देकर कहा कि भारत के आने से हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक नया विकल्प तैयार होगा।

क्यों जरूरी है यह गठबंधन?

इस गठबंधन की कार्यप्रणाली बहुत खास होगी। इसमें फंक्शनल वर्किंग ग्रुप बनाए जाएंगे, जो हर देश की विशेषज्ञता का फायदा उठाएंगे। जैसे नीदरलैंड लिथोग्राफी में माहिर है, ताइवान फैब्रिकेशन में और भारत सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाएगा। हेलबर्ग ने स्पष्ट किया कि एआई की यह दौड़ 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था को तय करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि विरोधी देश सप्लाई चेन को राजनीतिक दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे रोकने के लिए पैक्स सिलिका जैसा आर्थिक सुरक्षा गठबंधन जरूरी है।

पहली मीटिंग ने नहीं शामिल था भारत

दिलचस्प बात यह है कि 2025 में जब पैक्स सिलिका की पहली बैठक हुई थी, तब भारत को इससे बाहर रखा गया था। इस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। अब अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की हालिया नई दिल्ली यात्रा के बाद भारत को इसमें शामिल करने का रास्ता साफ हुआ है। राजदूत गोर ने कहा कि सुरक्षित और लचीली सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाने के लिए भारत और अमेरिका का मिलकर काम करना अनिवार्य है।

भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण में मिलेगा बढ़ावा

यह गठबंधन केवल बातचीत तक सीमित नहीं रहेगा। इसकी नीतियों के तहत निर्यात नियंत्रण, निवेश की जांच और रिसर्च के लिए सब्सिडी जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भरोसेमंद तकनीक दुश्मनों के हाथ न लगे। भारत के शामिल होने से देश में घरेलू सेमीकंडक्टर निर्माण को भारी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत इस मंच पर बैठकर भविष्य की वैश्विक तकनीक की रूपरेखा तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

वेनेजुएला में ऐतिहासिक बदलाव तेल उद्योग को निजीकरण-विदेशी निवेश के लिए खोला

काराकास। वेनेजुएला की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगुज ने देश के तेल उद्योग के लिए एक बड़ा कानून मंजूर कर इसे हस्ताक्षर कर दिया है, जो लंबे समय तक सामाजिकवादी नीतियों के तहत राज्य के पूर्ण नियंत्रण में रहे तेल क्षेत्र को खोलेगा।

दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश वेनेजुएला ने तेल उद्योग में सुधार के लिए ऐतिहासिक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। 3 जनवरी को सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्त किया था। जिसके बाद वो अमेरिका की कैद में हैं। इधर, देश की कमान संभाल रही कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज देश के अंदर तेल उद्योग में बड़ा कदम उठाया है।

वेनेजुएला सरकार ने गुरुवार (29 जनवरी) को देश के तेल क्षेत्र को निजीकरण के लिए खोलने की मंजूरी दे दी। यह कदम मादुरो की गिरफ्तारी के एक महीने से भी कम समय में उठाया गया है। जो कि देश के अंदर दो दशकों के बाद सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और निवेश की

कमी के चलते तेल उत्पादन पूरी तरह से गिर चुका था।

गुरुवार को नेशनल असेंबली ने ऊर्जा उद्योग कानून में संशोधन को मंजूरी दी गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने तेल कर्मचारियों और सरकार के समर्थकों के एक बड़े समूह के सामने इस सुधार को कानून के रूप में हस्ताक्षरित कर दिया। इधर, जैसे ही विधेयक पारित हो रहा था, वित्त विभाग ने आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया।

जेलेंस्की को बिजली घरों पर हमले रोकने के दावे पर संदेह

कड़ाके की सर्दी ने संकट बढ़ाया

कीव। कड़ाके की सर्दी के बीच यूक्रेन में रूस के हमले रुकने के दावे पर शंका बनी बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि रूस ने बातचीत में यूक्रेन के बिजली घरों पर हमले रोकने पर सहमति जताई है। हालांकि, क्रेमलिन ने ट्रंप के इस दावे पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पढ़ें रिपोर्ट-

बीते चार साल से जारी भीषण जंग के बीच कीव और अन्य हिस्सों में लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन इस चीज को देख रहा है कि रूस अपना वादा निभा रहा है या नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि रूस ने एक हफ्ते तक यूक्रेन के बिजली घरों और बिजली की आपूर्ति पर हमलों को रोकने की बात मानी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या दावा किया था?

ट्रंप ने गुरुवार देर रात कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐसे समय में एक हफ्ते तक कीव और अन्य शहरों को निशाना न बनाने की बात मानी है, जब क्षेत्र में कड़ाके की ठंड ने आम लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

हमले कब तक रुके रहेंगे, व्हाइट हाउस ने नहीं दिया स्पष्टीकरण

हालांकि, ट्रंप ने यह जानकारी नहीं दी कि पुतिन से कब बातचीत हुई और कब तक हमले रुके रहेंगे। व्हाइट हाउस से जब यह पूछा गया कि हमले रोकने का यह फैसला किन जगहों पर लागू होगा और कब से लागू होगा, तो उसने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। क्रेमलिन की ओर से भी इस बात की तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई कि पुतिन ने ऐसी किसी प्रतिबद्धता पर सहमति दी है।

जेलेंस्की को हमले रोकने के दावे पर आशंका: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को इस बात की आशंका है कि पुतिन वास्तव में ऐसा कदम उठाना चाहते हैं। रूस की ओर से पूर्ण पैमाने पर आक्रमण 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था और अगले महीने उसे चार साल हो जाएंगे। अमेरिका की कोशिशों के बावजूद रूस की तरफ से शांति समझौता करने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। जेलेंस्की ने गुरुवार को दोहराया, मुझे नहीं लगता कि रूस युद्ध खत्म करना चाहता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने क्या कहा?

उन्होंने कहा कि अगर मॉस्को यूक्रेन के बिजली घरों और अन्य ऊर्जा परिसंपत्तियों पर बमबारी रोक देता है, तो यूक्रेन भी रूस के ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने के लिए तैयार है, जिनमें तेल रिफाइनरियां शामिल हैं। कीव ने हाल ही में गंभीर रूप से बिजली की कटौती का सामना किया है।

इस सप्ताह कड़ाके की सर्दी बढ़ने वाली है। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि कुछ इलाकों में तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा।

अल्बर्टा के अलगाववादियों संग अमेरिका की गुप्त बैठक, भड़के ढट मार्क कार्नी; ट्रंप को दे डाली चेतावनी

ओटावा। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने अल्बर्टा के अलगाववादियों और अमेरिकी अधिकारियों के बीच गुप्त की खबरों पर ट्रंप को चेतावनी दी है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (APP) के नेताओं ने अप्रैल से वॉशिंगटन में विदेश विभाग के अधिकारियों से तीन बार मुलाकात की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीते काफी वक्त से कनाडा से नाराज चल रहे हैं। 100 फीसदी टैरिफ की धमकियों से लेकर कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बताने तक ट्रंप के तेवर काफी सख्त हैं। इस बीच कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के अलगाववादियों के साथ गुप्त अमेरिकी अधिकारियों की बैठक की खबरों पर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भड़क गए हैं और उन्होंने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है।

अमेरिकी अधिकारियों संग गुप्त बैठक

दरअसल, कनाडा के अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं की अमेरिकी अधिकारियों से मिलने से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अल्बर्टा के अलगाववादियों और अमेरिकी अधिकारियों के बीच गुप्त बैठक की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट (एपीपी) के नेताओं ने अप्रैल से वॉशिंगटन में विदेश विभाग के अधिकारियों से तीन बार मुलाकात की है।

मार्क कार्नी भड़क, दी चेतावनी

गुप्त बैठक की इन रिपोर्ट पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भड़के हुए दिखाई दे रहे हैं। कार्नी ने सख्त लहजे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से कहा है कि उनकी देश की संप्रभुता के साथ खिलवाड़ ना किया जाए। कनाडाई प्रधानमंत्री अपने बयान में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका कनाडाई संप्रभुता का सम्मान करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप से हमेशा स्पष्ट रहा हूं: कार्नी

बता दें कि अल्बर्टा प्रॉस्पेरिटी प्रोजेक्ट कनाडा के तेल-समृद्ध प्रांत अल्बर्टा की स्वतंत्रता की वकालत करने वाला अलगाववादी समूह है। इस बीच अल्बर्टा के प्रीमियर डेनियल स्मिथ के साथ पत्रकारों से बात करते हुए कार्नी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन कनाडाई संप्रभुता का सम्मान करेगा। मैं इस बारे में राष्ट्रपति ट्रंप से हमेशा स्पष्ट रहा हूं।'

इस बीच स्मिथ ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी प्रशासन कनाडाई संप्रभुता का सम्मान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि वह जनमत संग्रह में हस्तक्षेप से संबंधित किसी भी मुद्दे को वॉशिंगटन के साथ उठाएंगी। उन्होंने एक एकजुट कनाडा के भीतर एक संप्रभु अल्बर्टा के लिए अपने समर्थन को दोहराया।

भारत-ईयू समझौते से पाकिस्तान की टेक्सटाइल पर संकट

भारत और एव के बीच हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते से पाकिस्तान के कारोबारी जगत में चिंता बढ़ गई है। विश्लेषकों का कहना है कि इससे पाकिस्तान की टेक्सटाइल और अन्य निर्यात पर असर पड़ सकता है।

इस्लामाबाद। भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने दक्षिण एशिया में नई आर्थिक हलचल पैदा कर दी है। जहां भारत के लिए यह करार निर्यात और निवेश के बड़े अवसर खोलता है, वहीं पाकिस्तान के कारोबारी जगत में इसे लेकर गहरी चिंता दिख रही है। वित्तीय विश्लेषकों का कहना है कि यह समझौता पाकिस्तान की टेक्सटाइल समेत कई निर्यात उद्योगों के लिए चुनौती बन सकता है।

हाल ही में भारत-ईयू एफटीए के तहत 27 देशों वाले यूरोपीय ब्लॉक में भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके साथ ही ईयू से भारत में लग्जरी कारों और वाइन का आयात सस्ता होगा। पाकिस्तान के विश्लेषकों का मानना है कि इससे यूरोपीय बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और पाकिस्तान का बाजार हिस्सा घट सकता है, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर में।

क्या कहते हैं पाकिस्तानी विश्लेषक

पाकिस्तान के वित्तीय विशेषज्ञ मुहम्मद अली साया ने चेतावनी दी है कि भारत ने ह्लनई आर्थिक लड़ाईह्व शुरू कर दी है। उनके मुताबिक, पाकिस्तान को कठिन प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने बताया कि ऋढ+ दर्जा होने के बावजूद पाकिस्तान की टेक्सटाइल निर्यात स्थिति कमजोर हो सकती है, क्योंकि भारत को अब शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा।

पाकिस्तान को ईयू ने 2014 में जीएसपी+ का दर्जा दिया था, जिससे यूरोप को उसके टेक्सटाइल निर्यात में 108 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि यह दर्जा दिसंबर अगले वर्ष समाप्त होने वाला है। विश्लेषक अली शान का कहना है कि भारत-समझौते के बाद पाकिस्तान की प्रतिस्पर्धी बढ़त खत्म हो सकती है।

सरकार और उद्योग की चिंता

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह ईयू के संपर्क में है ताकि संभावित नुकसान से निपटा जा सके। वहीं, बिजनेसमैन पैनल प्रोग्रेसिव के अध्यक्ष साकिब फैयाज मागून ने सरकार से निर्यातकों को ज्यादा प्रोत्साहन देने की मांग की है।

उनका कहना है कि एव पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है और कुल निर्यात का 25 प्रतिशत हिस्सा वहीं जाता है।

ट्रंप ने कनाडा पर टैरिफ बढ़ाने की दी धमकी

क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर भी शुल्क लगाने की चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ अपने व्यापारिक रुख को और सख्त करते हुए चेतावनी दी कि अमेरिका में बेचे जाने वाले कनाडाई विमानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

यह कदम अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार युद्ध में ताजा बढ़ोतरी माना जा रहा है, जो ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच बढ़ते टकराव के बीच सामने आया है।

क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर फूटेगा टैरिफ बम

वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा को तेल बेचने या आपूर्ति करने वाले देशों से आने वाले किसी भी सामान पर शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका-कनाडा व्यापार संबंधों में तनाव और गहराने वाला है, खासकर विमानन क्षेत्र में, जो दोनों देशों के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, क्यूबा को लेकर जारी धमकी से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने इस हफ्ते कहा कि उनकी सरकार ने अस्थायी रूप से क्यूबा को तेल की आपूर्ति रोक दी है। उन्होंने कहा कि यह एक संप्रभु फैसला था, जो अमेरिका के दबाव में नहीं लिया गया था।

गौरतलब है कि ट्रंप क्यूबा सरकार से दूरी बनाने के लिए मैक्सिको पर दबाव डाल रहे हैं।

सीरिया: एसडीएफ और सरकार के बीच नया समझौता

सीरिया। कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एसडीएफ) ने शुक्रवार को देश की केंद्र सरकार के साथ एक नया समझौता किया, जिसका मकसद हफ्तों तक चले संघर्ष को समाप्त करने वाले संघर्षविराम को स्थिर करना और दोनों पक्षों के बीच एकीकरण की प्रक्रिया को शुरू करना है। एसडीएफ ने कहा कि समझौते के तहत गृह मंत्रालय से जुड़े सुरक्षा बल अल-हासाकेह और कमिशली के शहरों में प्रवेश करेंगे, जहां पहले उन्हें जाने की अनुमति नहीं थी और एसडीएफ तथा सरकारी बलों का एकीकरण शुरू होगा।

इसमें एसडीएफ की तीन ब्रिगेड को मिलाकर एक नई सैन्य ब्रिगेड बनाने की योजना शामिल है, साथ ही अलेप्पो प्रांत में एक सरकारी ब्रिगेड में एसडीएफ के लड़ाकों की एक ब्रिगेड भी बनाई जाएगी।

भारत ने अमेरिकी नेताओं को तोहफे में क्या-क्या दिया, चांदी की ट्रेन से लेकर पश्मीना तक शामिल

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान भारत से मिले तोहफो की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय सरकारी अधिकारियों की ओर से दिए गए उपहारों की जानकारी साझा की गई है।

'अतिथि देवो भव' की परंपरा का पालन करने वाला देश भारत हमेशा अपने मेहमानों का स्वागत आदर और सत्कार के साथ करता है। इसी के साथ उपहार देने की परिपाटी भी बेखूबी निभाता है। ऐसे में अब अमेरिका ने भारतीय नेताओं और सरकारी अधिकारियों से मिले तोहफों की एक सूची जारी की है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर कमला हैरिस तक का नाम शामिल है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी की गिफ्ट लिस्ट

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में भारतीय नेताओं की तरफ से अमेरिका के शीर्ष नेताओं को मिले

महंगे तोहफों का विवरण सामने आया है। अमेरिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन को जुलाई 2024 में 7750 डॉलर मूल्य की चांदी की ट्रेन सेट उपहार स्वरूप भेंट किया था, जिसे बाद में नेशनल आर्काइव्स में भेज दिया गया।

कैलेंडर वर्ष 2024 के मिले तोहफों की जानकारी

विदेश विभाग के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल के कार्यालय ने 'विदेशी सरकारी स्रोतों से मिले तोहफों' की एक पूरी लिस्ट सौंपी है। यह लिस्ट कैलेंडर वर्ष 2024 (1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक) में मिले उपहारों की जानकारी है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 10 सितंबर, 2023 को जो बाइडेन को दिए गए 'लकड़ी का संदूक, स्कार्फ, जार के साथ केसर, चाय के लिए लकड़ी का डिब्बा शामिल है, जिसकी अनुमानित कीमत 562 डॉलर है।

पीएम मोदी ने दिया था पूर्व राष्ट्रपति को उपहार

रिपोर्ट में बताया गया कि संदूक, स्कार्फ, जार और डिब्बे को अमेरिकी नेशनल आर्काइव्स (ठअफअ) में ट्रांसफर कर दिया गया, जबकि खराब होने वाली चीजें-केसर और चाय को यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस की नीतियों के अनुसार 'निपटा दिया गया' है। बता दें कि बाइडेन सितंबर 2023 में भारत द्वारा आयोजित G20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली आए थे।

चांदी की ट्रेन, पश्मीना शॉल किया था गिफ्ट

इसके अलावा पीएम मोदी की ओर से दिया गया बाइडेन को एक और तोहफा 16 जुलाई, 2024 को एक 'स्टर्लिंग सिल्वर मेटल ट्रेन सेट' था, जिसकी अनुमानित कीमत 7750 डॉलर थी। इसे भी नेशनल आर्काइव्स में ट्रांसफर कर दिया गया है। एक और लिस्टिंग में बताया गया है कि पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडन को 21 अक्टूबर, 2024 को पीएम मोदी से एक 'पश्मीना शॉल' मिला था। जिसकी अनुमानित कीमत 2969 डॉलर थी, उसे भी नेशनल आर्काइव्स में ट्रांसफर कर दिया गया है।

कमला हैरिस को भी पीएम मोदी ने दिया उपहार: इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैकब सुलिवन को दिए गए तोहफे का भी जिक्र है। रिकॉर्ड्स में बताया गया कि 23 अगस्त, 2024 को 599 डॉलर मूल्य का कश्मीरी पश्मीना स्कार्फ भेंट किया। जिसे जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (जीएसए) को ट्रांसफर किया गया। वहीं पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 18 अक्टूबर, 2024 को पीएम मोदी से 'भगवान कृष्ण रास लीला सिल्वर बॉक्स' उपहार स्वरूप मिला। इस तोहफे की अनुमानित कीमत 1330 डॉलर है और इसे NARA को ट्रांसफर कर दिया गया था।

ईवी बूम के साथ यूरोप के कार बाजार में चीनी ब्रांड्स की बड़ी छलांग, हर 10 में एक कार चीन में बनी

नई दिल्ली। पिछले महीने यूरोप में बिकने वाली हर 10 पैसेंजर कारों में से लगभग एक चीनी ऑटोमेकर्स ने बनाई थी। यह एक रिकॉर्ड शेयर है। जो हाइब्रिड और बैटरी से चलने वाली गाड़ियों की तेज बिक्री की वजह से हुई तेजी से ग्रोथ वाले साल का नतीजा है।

यूरोप के ऑटोमोबाइल बाजार में चीनी कार निमार्ताओं की मौजूदगी अब नजरअंदाज करने लायक नहीं रही। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में यूरोप में बिकने वाली हर 10 में से लगभग 1 पैसेंजर कार चीन में बनी थी। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। और इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड वाहनों की तेज बिक्री ने इस रफ्तार को और मजबूती दी है।

रिसर्च फर्म डेटाफोर्स के आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर में चीनी ब्रांड्स की बाजार हिस्सेदारी 9.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। तिमाही आधार पर पहली बार चीनी कंपनियों ने दक्षिण कोरियाई ब्रांड्स, जिनमें ङ्क (किआ) जैसे नाम शामिल हैं, को पीछे छोड़ दिया।

ईवी और हाइब्रिड सेगमेंट में सबसे ज्यादा पकड़

चीनी कंपनियों की सबसे बड़ी ताकत यूरोप के इलेक्ट्रिफाइड कार सेगमेंट में देखने को मिल रही है। बैटरी तकनीक में बढ़त के दम पर चीन की कंपनियों ने स्पेन, ग्रीस, इटली और ब्रिटेन जैसे बाजारों में ग्राहकों को तेजी से आकर्षित किया है।

डेटाफोर्स के विश्लेषक जूलियन लिट्जिंगर के मुताबिक, दक्षिणी यूरोप में चीनी कारों को इतनी जल्दी अपनाया जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। खासकर ईवी सेगमेंट में उपभोक्ताओं की ब्रांड के प्रति लचीलापन चीनी कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित हुआ।

इलेक्ट्रिफाइड कार बाजार में हिस्सेदारी दोगुनी: दिसंबर में यूरोप के इलेक्ट्रिफाइड कार बाजार में चीनी ब्रांड्स की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही, जबकि पूरे 2025 के लिए यह औसतन 11 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह 2024 की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

कविनगर रामलीला मैदान में आयोजित भव्य श्रीरामकथा का षष्ठम दिवस

भरत का चरित्र निःस्वार्थ प्रेम, कर्तव्य परायणता और आदर्श भातृ प्रेम का प्रतीक : विजय कौशल जी महाराज

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कविनगर स्थित रामलीला मैदान में मंगलमय परिवार द्वारा आयोजित भव्य श्रीरामकथा के षष्ठम दिवस शुक्रवार को जब कथा व्यास पूज्य संत विजय कौशल जी महाराज की दशरत मृत्यु व भरत मिलाप का संजीव वर्णन किया तो वहां मौजूद श्रद्धालुओं को आंखें रामभक्ति में भावुकता के कारण नम हो गयीं।

कथा व्यास विजय कौशल महाराज ने अपन श्रीमुख से रामकथा के छठे दिन अयोध्या के राजा दशरथ के राम के वन जाने के पश्चात उनके वियोग में मृत्यु के वरण करने और चित्रकूट जाकर भरत को अपने अग्रज भ्राता राम के साथ हुए मिलाप के भावपूर्ण प्रसंग का बहुत ही सुंदर वर्णन किया। दशरथ का विलाप और भरत-राम मिलन के दृश्य ने कथास्थल को भावुक कर दिया। महाराज ने भरत के प्रेम और त्याग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भरत का चरित्र निःस्वार्थ प्रेम, कर्तव्य परायणता और आदर्श भातृ प्रेम का प्रतीक है। आज के समय में ऐसे भाव वाले भाई का मिलना असंभव है।

विजय कौशल महाराज ने हमें अपने पुराने कर्मो का फल अवश्य ही भोगना पड़ता है। राजा दशरथ भी इससे नहीं बच सके थे। रामकथा में राजा दशरथ की मृत्यु राम के वनवास के दुख में हुई, जो श्रवण कुमार के माता-पिता के श्राप का परिणाम था। भरत एक आदर्श भाई थे।

उन्होंने अपनी माता कैकेयी की उन्हें राजा बनाने की योजना को अस्वीकार करके वे अपने बड़े भाई राम को वापस लाने के लिए चित्रकूट गये। लेकिन श्रीराम द्वारा उनकी वापस अयोध्या लौटने की विनती अस्वीकर कर दिया, क्यों राम ने अपने पिता का वचन निभाना था। जब राम ने अयोध्या लौटने में असमर्थता जतायी तो भरत उनकी पादुकाएं लेकर आये और उन्हें सिंहासन पर रखकर 14 वर्षो तक स्वयं भी तपस्वी का जीवन बिताया।

विजय कौशल जी महाराज ने कहा कि राजा दशरथ से जाने-अनजाने में श्रवण कुमार का वध हो गया था और श्रवण के अंधे माता-पिता ने स्वयं तो प्राण त्याग ही दिये थे। उन्होंने राजा दशरथ को भी पुत्र वियोग में प्राण त्यागने का श्राप दिया था।

उन्होंन कहा कि राम अपने वचनों के पक्के थे। पिता दशरथ की आज्ञा से ही राम वन गये और इसके पीछे राजा दशरथ का कैकेयी के दिये गये वचनों को पूरा करना था। श्राप के चलते ही पुत्र मोह में राजा दशरथ ने छठवें दिन रघुकुल शिरोमणि राम का नाम लेते हुए प्राण त्याग थे।

कथा का वृतांत सुनाते हुए पूज्य संत ने आगे बताया कि राजा दशरथ कैकयी के कर रह जाते हैं और श्री राम को वनवास के बाद भरत ने 14 साल तक नदी ग्राम से राजपाठ संभाला था। महाराज श्री ने कहा कि हमें अपने कर्तव्य के पथ से कभी पीछे नहीं हठना चाहिए। यह हम भरत के चरित्र से सीख लेते हैं।

पूज्य विजय कौशल महाराज के पावन श्रीमुख से प्रवाहित रामकथा के षष्ठम दिवस में भरत के निस्वार्थ प्रेम, कर्तव्यपरायणता और आदर्श भातृ प्रेम को बहुत ही सुंदर ढंग से वर्णन किया। शनिवार को कथा का सातवां व अंतिम दिन है। मंगलयम परिवार ने सभी भक्तों से अंतिम दिन कथा सुनने आने का आग्रह किया है, ताकि वे इस भव्य रामकथा का लाभ उठा सकें।

रामकथा का छठा दिन

- कथा व्यास ने छठे दिन की रामकथा में दशरथ मृत्यु व चित्रकूट में राम-भरत मिलाप का सुंदर वर्णन किया।
- हमें अपने पुराने कर्मो का फल अवश्य भोगना पड़ता है, राजा दशरथ भी इससे नहीं बच सके।

बिना लाइसेंस मांस बेचोगे तो होगी कार्रवाई, 7 दिन का अल्टीमेटम

खोड़ा क्षेत्र की शिकायतों के बाद जिला प्रशासन सख्त खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने जनपद के सभी मांस विक्रय प्रतिष्ठानों को खाद्य सुरक्षा मानकों का सख़्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि बिना खाद्य लाइसेंस या पंजीकरण के मांस बेचने वालों पर कार्रवाई तय है।

यह निर्देश 23 जनवरी 2026 को हुई समीक्षा बैठक के बाद जारी किए गए हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने खोड़ा नगर पालिका क्षेत्र में नियमों की अनदेखी पर नाराजगी जताई थी।

प्रशासन के अनुसार मांस उच्च जोखिम वाला खाद्य पदार्थ है और इसका विक्रय खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 तथा उससे जुड़े नियमों के तहत ही किया जा सकता है। आम लोगों को सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद मांस मिले, इसके लिए सभी दुकानों को तय मानकों पर संचालन करना अनिवार्य होगा।

सुविधाओं की कमी से विक्ट्री-1 सेंट्रल सोसाइटी निवासी परेशान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित विक्ट्री-1 सेंट्रल सोसाइटी के लोग सुविधाएं नहीं होने से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि बिल्डर की नाकामी का खमियाजा उन्हें झेलना पड़ रहा है। सोसाइटी में क्लब हाउस, पार्किंग एरिया, एसटीपी सहित अन्य काम अधूरे हैं। जिन्हें प्रबंधन पूरा नहीं करा रहा है। आरोप है कि हर महीने मेंटेनेंस देने के बाद भी रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है।

निवासियों ने बताया कि कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परिसर के सभी टावरों में बिल्डर प्रबंधन की ओर से एक ही लिफ्ट लगाई गई है जबकि नियमों के अनुसार सभी टावरों में लोगों की सुविधा को देखते हुए दो लिफ्ट लगी होनी चाहिए। सुबह और शाम के समय लिफ्ट पर काफी अधिक दबाव होता है। दूसरी लिफ्ट नहीं होने के कारण आए दिन लड़ाई होती है। सोसाइटी निवासी प्रशांत चौधरी ने बताया कि 450 परिवार मूलभूत सुविधाओं तक के लिए परेशान हो रहे हैं।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस जिला कमेटी ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

महात्मा गांधी के विचारों और सत्य अहिंसा के सिद्धांत से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए: सतीश शर्मा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए । जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि गांधी जी का चरित्र पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो मानवता करुणा और न्याय की सीख देता है। हमें उनके चरित्र और सत्य, अहिंसा के सिद्धांत से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। आज उनके शहादत दिवस पर यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्री शर्मा ने कहा कि आज ही के दिन एक सिरफिरे नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता को शहीद कर दिया था। वे मरे नहीं, मर कर भी अमर हो गए।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप कंसल ने कहा कि गांधी जी ने प्रेम और अहिंसक प्रतिरोध यानि सत्याग्रह के दम पर ब्रिटिश शासन को चुनौती दी। पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. संजीव शर्मा ने कहा कि गांधी जी का जीवन त्याग, अनुशासन और स्वदेशी का सर्वोच्च उद्धारण था, जिसने उन्हें राष्ट्रपिता के रूप में स्थापित किया।

जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता एवं सुरेंद्र शर्मा के संचालन में हुई गोष्ठी में पूर्व पीसीसी सदस्य भूपेंद्र भारद्वाज, जिला महिला अध्यक्ष डॉली त्यागी , जिला उपाध्यक्ष ममता सिंह व हाजी खुर्शीद ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि गांधी जी ने महिला सशक्तिकरण और हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए बहुत काम किया। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यकताओं ने गांधी जी को श्रद्धांजलि स्वरुप 2 मिनट का मौन धारण किया। बाद में गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर पर वरिष्ठ नेत्री लज्जा यादव, सविता जायसवाल, देशराज शर्मा, हरेन्द्र सिंह बाबा, राकेश शर्मा, नईम त्यागी, विपिन गुर्जर, राजीव कौशिक, अनूप सिंह व रियाज अहमद आदि अनेक नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** क्या कांग्रेस के सैफी जी कर रहे हैं कोई भाषा वाला फाउल? आखिर वो किसे बता रहे हैं लगातार अपने संदेशों को आउल? क्या वो ये भी बता रहे हैं कि मिस्टर आउल करने जा रहे हैं अपनी डाल को चेंज? क्या कांग्रेस नेता के शब्दों में दिखाई दे रहा है किसी नेता के प्रति रेवेंज? कहने वाले ने कहा कि विरोध तो ठीक है लेकिन उन्हें करना चाहिए अपने शब्दों की शैली को चेंज?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** विधायक जी को अब बदल देना चाहिए अपनी सियासत का अंदाज? कहने वाले ने कहा कि उनके साथ चल रही चौकड़ी नहीं जानती है अभी सियासत का उतना मिजाज? कहने वाले ने कहा कि विधायक जी हो सकता है भूल जायें, मगर ये पब्लिक है हर बात को रख लेती है याद? कहने वाले ने कहा कि विधायक जी वैसे तो हैं बहुत ही खुश मिजाज और रखते हैं सबका ध्यान? मगर लगता है कि वो नहीं रख रहे हैं साथ चलने वालों पर सियासी नजर? उनका यहाँ ध्यान है और खेल हो रहा है उधर ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भर्ती वाली बेला में नीले दल में चल रहा है बर्खास्त करने का खेला? जिन महावतों ने यहां की है मेहनत, उन्हीं को कर दिया क्या सुनी सुनाई बात पर अकेला? हिन्डन विहार वाले चौधरी को भी कर दिया पद से ही आउट? सुना है उनकी सियासी निष्ठा पर नहीं है किसी को डाउट? जिन्होंने पूरे ओके रिपोर्ट के साथ संभाली थी दफ्तर की कमान? उन्हें भी दिखा दिया गया बाहर का मैदान? पुराने महावत ने कहा ऐसे तो पूरा दल ही हो जायेगा खाली? कहने वाले ने कहा कि अब सीन को होगा सुधारना और घर वापसी हो गयी है जरूरी? नहीं तो एक हाथ से कहाँ बजती है ताली ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हाथ वाले दल से क्या कर रहे हैं बॉबी भईया शहर सीट से तैयारी? कहने वाले ने कहा कि उनकी नहीं है मुरादनगर से अपनी चुनावी मुराद करने की कोई तैयारी? कहने वाले ने कहा कि वो शहर सीट पर कर देंगे होली के बाद चुनावी अभियान शुरू? कहने वाले ने कहा कि उन्हें मिला है कहीं से मजबूत आश्वासन? वो पूरी तरह से करेंगे अपनी सियासी ताकत को इसी विधानसभा पर फोकस? जल्द ही खुलकर देंगे भाषण ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** क्या भगवा सारस्वत के पास रहने वाली है क्रय-विक्रय वाली जिम्मेदारी? क्या वो खेलेंगे अभी 2027 के बाद तक भी चेयरमैन वाली पारी? कहने वाले ने कहा कि भगवा सारस्वत रहते हैं सिस्टम से पूरी तहर अपडेट? वो नहीं हैं किसी भी बात को लेकर अपसैट? कहने वाले ने कहा कि उनके पास रहेगा अभी दोनों जिम्मेदारियों का सैट?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** महानगर वाली लिस्ट को लेकर होने जा रहा है दो नामों के साथ ट्विस्ट? क्या किसी सिफारिश को लेकर लखनऊ वाले एक भाईसाहब चल रहे हैं रूष्ट? लखनऊ वाले भाईसाहब की नाराजगी को लेकर यहां भी सुनाई दे रहा है हाई अलर्ट? कहने वाले ने कहा कि इस बार कई नामों पर लगेगी वीटो और कई नामों पर लगेगी जोरदार मोहर? आस पास तो सुनाई दे रहा है कुछ ऐसा ही शोर ?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** एक विधायक जी के करीबी ने कर दी क्या विधायक जी से ये स्पेशल रिक्वेस्ट? अगर वो मेरा नाम नामित पार्षद वाली लिस्ट में कहें तो आप प्लीज मत करना उसे एक्सेप्ट? कहने वाले ने कहा कि विधायक जी का करीबी चाहता है महानगर वाली व्यवस्था में आना? सुना है उसने साफ कह दिया कि मुझे नामित पार्षद नहीं बनाना? क्या वास्तव में विधायक जी के करीबी का नाम लिस्ट में है भी या उसे लग रहा है ये फसाना?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** सियासत के सिकन्दर क्या 2027 में फिर से लेने जा रहे हैं इलेक्शन वाली अंगड़ाई? कहने वाले ने कहा कि ये सियासत का तेल है? बस आप तेल देखो , खेल देखो और इसकी धार देखो? कहने वाले ने कहा कि इलेक्शन से पहले क्या सिकन्दर लगा रहे हैं कोई कैलकुलेशन? कहने वाले ने कहा कि आप लिखकर रखलो, 2027 में वो आयेंगे पूरी तैयारी से? वो खिलाड़ी हैं और बदलेंगे मैदान? आप इस बात को सुनकर फिलहाल मत होना हैरान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जीडीए के किस साहब के सामने रख रहे थे एक भाजपा नेता नेहरू जी वाले सेन्टर को लेकर विचार? सुना है वो बता रहे थे इस सेन्टर के बारे में अपने दिल में उमड़े हुए कुछ विचार? कहने वाले ने कहा कि अधिकारी ने उस समय तो बात को सुना मगर बाद में कर दिया उनके सारे विचारों को एक सिरे से दरकिनार? कहने वाले ने कहा कि भगवा नेताजी चाहते थे कि पत्राचार में ओहदे को लेकर हो जाये एक बार विचार?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** क्या इस बार महानगर वाली टीम में मीडिया वाली जिम्मेदारी में कोई और चेहरा भी खेल सकता है क्या पारी? सुना है मास्टर जी और चौधरी जी से सीन आगे निकलकर आयेगा बाहर? क्या मिल सकती है किसी और चेहरे को ये जिम्मेदारी? कहने वाले ने कहा कि दोनों में से कोई एक चेहरा वैसे भी अब नहीं खेलना चाहता है मीडिया प्रभारी वाली पारी?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।